



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 01]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 1, 2013/पौष 11, 1934

No. 01]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 1, 2013/PAUSA 11, 1934

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय -

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 2013

प्रारंभिक जांच परिणाम

**विषय :** चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित मेटाफेनाइलीन डायामाइन (एमपीडीए) के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/4/2012-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

**क. प्रक्रिया**

1. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से मै. आरती इंडस्ट्रीज लि., मुंबई (जिसे आगे आवेदक कहा गया है) से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें चीन जनवादी गणराज्य (जिसे चीन जन. गण. या संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित मेटाफेनाइलीन डायामाइन (एमपीडीए) के पाटन का आरोप लगाया गया था ।
- आवेदन की प्रारंभिक जांच से कुछेक कमियों का पता चला जिसे आवेदक ने बाद में सुधार दिया था । अतः आवेदन समुचित ढंग से प्रलेखित माना गया ।
- जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के खिलाफ पाटनरोधी जांच शुरू करने का निर्णय लिया ।

- (iv) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्यवाई शुरू करने से पूर्व पाटन का आरोप प्राप्त होने के बारे में भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास को सूचित किया ।
- (v) संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए प्राधिकारी ने दिनांक 19 जून, 2012 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ।
- (vi) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति समस्त ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे आवेदक ने उपलब्ध कराए थे) और घरेलू एसोसिएशनों को भेजी और उन्हें पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया ।
- (vii) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों को भी भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी ।
- (viii) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों और भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध कराई । अनुरोध करने पर आवेदन की एक प्रति अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थी ।
- (ix) पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना मांगने के लिए उनके पास प्रश्नावलियां भेजी :

शंघाई अमीनो-कैम कं. लि०
31/एफ किंग टावर, नं. 28 सिंजिंक्वो रोड, पुडांग, शंघाई 201206 पी आर सी
जियांगसु तियांजियायी कैमिकल कं. लिमिटेड
निजियाझियांग झोऊझुआंग जियांजिन 214423

- (x) जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में चीन जन.गण. के निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने उत्तर दिया है ।

क्र.सं.	निर्यातक/उत्पादक का नाम	निर्यातक/उत्पादक
1	झेजियांग अमीनो कैम कं. लि.	उत्पादक तथा निर्यातक
2	चांगशान हैचांग कैमिकल कं. लि.	निर्यातक
3	जियांगशू तियानजियाई कैमिकल कं० लि०	उत्पादन

- (Xi) पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं :

एश्वर्या कैमिकल प्रा.लि. 263/2, फेज-2, जीआईडीसी, वातवा, अहमदाबाद-382445
अंकुर कैमिकल्स जी 1 - 198, गुडली इंडस्ट्रियल एरिया, उदयपुर
एरीज आर्गेनिक प्रा.लि. प्लॉट नं.441, फेज-II, जीआईडीसी, वातवा, अहमदाबाद-382445
कैमवर्ड इंक 409, हाश बिजनेस सेंटर, अंकुर स्कूल के निकट, फतेह नगर, पालडी, अहमदाबाद
हैक्सोन इंटरकैम प्रा.लि. कटवाड पटिया के सामने, एन एच सं. 8, डालपुर, तह.प्रान्तिज, जिला-साबरकांठा, 393002, गुजरात
इंडो कोलकैम लि. प्लॉट नं. 36, फेस-II, जीआईडीसी, वातवा, अहमदाबाद-382445, गुजरात
कृष्णा इंडस्ट्रीज एल/30/46/1 तथा 2, फेज-III, जी आई डी सी, नरोदा, अहमदाबाद-382330, गुजरात
मैकसेन लेबोरेटरीज अम्बामाता की घाटी, गांव-टिटेरडी, तह. गिरवा, उदयपुर 313001
नोवासीड प्रा.लि. 263/ए-बी, जी आई डी सी., पंडेसरा, सूरत, गुजरात
प्रशांत इंडस्ट्रीज प्लॉट नं.:3408/डी, फेज-IV, जी आई डी सी. इस्टेट, वातवा, अहमदाबाद-382445, गुजरात
श्री पुष्कर पैट्रो प्रोडक्ट्स लि. बी-103 एम आई डी सी लोटे परशुराम, तालुक खेद, जिला- रत्नागिरी
सोलर डाइज इंडस्ट्रीज प्लॉट सं.8103, जीआईडीसी इस्टेट, सचिन, सूरत, 394230, गुजरात
हिंदप्रकाश इंटरनेशनल ए-414, आत्मा हाऊस, पुराने आर बी आई के सामने, अहमदाबाद
यश कैमेक्स इंक प्लॉट सं. : 457, फेज-II, जी आई डी सी इस्टेट, वातवा, अहमदाबाद-382445
अलिल कलर्स इंडस्ट्रीज प्रा.लि. प्लॉट नं.125/1, जी आई डी सी इस्टेट, नंदेसरी, गुजरात
एरीज डाई कैम इंडस्ट्रीज सी-1/260, फेज II, जीआईडीसी, वातवा, अहमदाबाद-382445, गुजरात
बोदल कैमिकल्स लि. यूनिट I प्लॉट नं.110, फेज-II, जी आई डी सी इस्टेट, वातवा, अहमदाबाद, गुजरात
छटारिया डाई स्टाफ प्रा. लि. जी आई डी सी इस्टेट के निकट, महुवा, भावनगर-364290, गुजरात
हैक्सोन इंटरकैम प्रा.लि. पलक, शाहजानंद पार्क, जीवन धारा सोसायटी, गायत्री मंदिर रोड, महावीरनगर, हिम्मत नगर - 383001
जैनिक इंडस्ट्रीज 605-ए, फेज-IV, जी आई डी सी, वातवा, अहमदाबाद-382445, गुजरात
लॉक्सिम इंडस्ट्रीज लि. प्लॉट नं. 105/109-ए, ई सी पी एल रोड, गांव- एकलबाड़ा, पडरा जिला., वदोदरा, 391440

मोनिका इंडस्ट्रीज सी/1,421,422, फेज-II, विन्जोल क्रासिंग के निकट, जी आई डी सी, वातवा, अहमदाबाद -382445
ओरजेट इंडस्ट्रीज प्रा.लि. सी-1/बी-13, फेज-II, जी आई डी सी, वातवा, अहमदाबाद- 382445, गुजरात
रोहन डाइज एंड इंटरमीडिएट लि. प्लॉट नं.115-117,123, फेज-I, जी आई डी सी, वातवा अहमदाबाद -382445.
शरीजी आर्गेनिक्स प्लॉट नं.3421, फेज-IV, जी आई डी सी., वातवा, अहमदाबाद-382445, गुजरात
सेन्थोफार्मा कैमिकलस सी-1-220-221/3, फेज - II, जी आई डी सी, नरोदा, अहमदाबाद- 382330, गुजरात
कैमेक्स कैमिकल 107, उद्योग क्षेत्र, लिंक रोड, मलौद (प.), 400080, मुंबई

(xii) जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों ने टिप्पणियां दी हैं :

1. दि डायस्टफ मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया
2. मै0 रवि डायवेयर कं0 लि0, (आयातक)
3. मै0 लॉन्सेनकिरी कैमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड

(xiii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा । जांच की कार्यवाही के दौरान उपर्युक्त हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग ने जांच से संगत सूचना प्रस्तुत की और समस्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को वर्तमान जांच परिणाम में ध्यान में रखा गया है ।

(xiv) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी । संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है । जहां संभव हुआ है गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं ।

(xv) आवेदक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों से आवश्यक समझी गई सीमा तक अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी।

(xvi) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत के



आधार पर क्षति रहित कीमत निकाली गई थी ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

- (xvii) यह जांच 1 अक्टूबर, 2010 से 31 दिसंबर, 2011 की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में वर्ष 2008-09, 2009-10, 2010-11 की अवधि और जांच अवधि शामिल थी।
- (xviii) जांच अवधि के लिए रूपए में अम.डा. के परिवर्तन की दर सीमाशुल्क आंकड़ों के अनुसार 46.58 रू० मानी गई है।

#### ख. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

2. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "मेटा फेनाइलीन डायामाइन" (एम पी डी ए) है। वाणिज्यिक रूप से इसे एम पी डी या एम पी डी ए भी कहा जाता है। सामान्य (कक्ष) स्थितियों में यह रंगहीन या सफेद रंग का ठोस होता है जो हवा में या भंडारण में लाल, बैंगनी (गहरा रंग) हो जाता है। मेटा फेनाइलीन डायामाइन में मेटा स्थिति में बेंजीन टिंग से जुड़े एक दूसरे के संबंध में दो अमीनो ग्रुप होते हैं। यह ओ-फेनाइलीन डायनामाइन (आर्थो फेनाइलीन डायामाइन) और पी-फेनाइलीन डायनामाइन (पैरा फेनाइलीन डायनामाइन) का आइसोमर है। विचाराधीन उत्पाद के कोई ज्ञात ग्रेड नहीं है। मेटा फेनाइलीन डायामाइन एक रासायनिक मध्यवर्ती के रूप में कार्य करता है। रासायनिक मध्यवर्ती के रूप में एम पी डी ए का उपयोग रंगों, इंजीनियरिंग पॉलीमर, आरामिड फाइबर के विनिर्माण हेतु और फोटोग्राफी तथा चिकित्सीय अनुप्रयोगों में किया जाता है।
3. "मेटा फेनाइलीन डायामाइन" सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के उपशीर्ष सं. 29215120 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और इस जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

#### ख.1 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

4. झेजियांग अमीनोकैम के विचार निम्नानुसार हैं :-
  - (क) कंपनी द्वारा उत्पादित एम पी डी के चार प्रकार हैं - ग्रे मोल्टन (99.5%), ग्रे फ्लेक (99.9%), व्हाइट मोल्टन (99.9%) और व्हाइट फ्लेक (99.9%)।
  - (ख) जांच अवधि में कंपनी ने भारत को ग्रेड मोल्टन और व्हाइट फ्लेक का निर्यात किया है।

#### ख.2 घरेलू उद्योग के विचार

5. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं :

- (क) वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद "मेटा फेनाइलीन डायामाइन " है जिसे इस याचिका में एम पी डी ए भी कहा गया है । विचाराधीन उत्पाद के अन्य नाम हैं - एम-फेनाइलीन डायामाइन, 1,3- डायमिनोबेंजीन, 1,3, बेंजेनेडायामाइन, एम- अमीनो एनीलिन,, एम-बेंजेनेडायामाइन, एम-डायमिनोबेंजीन, 1,3-फेनाइलीन डायामाइन, 3-अमीनो एनीलिन, एम-फेनाइलीन डायामाइन, फेनाइलीन डायामाइन ए, एम-अमीनोएलिन तथा फेनाइलीन डायामाइन, मेटा हैं । इसे एमपीडी या एम पी डी ए भी कहा जाता है ।
- (ख) सामान्य (कक्ष) स्थितियों में यह रंगहीन या सफेद रंग का ठोस होता है जो हवा में या भंडारण में लाल, बैंगनी (गहरा रंग) हो जाता है ।
- (ग) मेटा फेनाइलीन डायामाइन में मेटा स्थिति में बेंजीन टिंग से जुड़े एक दूसरे के संबंध में दो अमीनो ग्रुप होते हैं । यह ओ-फेनाइलीन डायनामाइन (आर्थो फेनाइलीन डायामाइन) और पी-फेनाइलीन डायनामाइन (पैरा फेनाइलीन डायनामाइन) का आइसोमर है ।
- (घ) विचाराधीन उत्पाद के कोई ज्ञात ग्रेड नहीं है ।

### ख.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

6. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों को नोट किया है । यह नोट किया जाता है कि उत्पाद के भौतिक रूप में अंतर का तात्पर्य यह नहीं है कि उत्पाद अलग-अलग ग्रेडों का है । यह दावा करते हुए कि विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन अलग-अलग रूपों में होता है, प्रतिवादी निर्यातक ने यह सिद्ध करने के लिए कोई सूचना प्रदान नहीं की है कि इन अलग-अलग ग्रेडों की संबंधित लागत और कीमत के अनुसार उनमें पर्याप्त अंतर है । प्रतिवादी निर्यातक ने न तो कोई सत्यापनीय साक्ष्य प्रदान किया है और न ही उत्पाद के किसी विशेष प्रकार के अपवर्जन की मांग की है । अतः विचाराधीन उत्पाद के सभी प्रकार वर्तमान जांच के दायरे में आते हैं ।
7. तदनुसार विचाराधीन उत्पाद को "मेटा फेनाइलीन डायामाइन" (एम पी डी ए) के रूप में परिभाषित किया गया है ।
8. संबद्ध वस्तु सीमाशुल्क टैरि की टैरिफ मद "29215120" के अंतर्गत आती है । सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे तथा प्रस्तावित उपायों पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है ।

### ख.4 समान वस्तु

9. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में समान वस्तु को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है :

**"समान वस्तु का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो; "**

10. आवेदक ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु भारत में आयातित विचाराधीन उत्पाद के समनुरूप है। आवेदक ने दावा किया है कि आवेदक के उत्पाद और संबद्ध देश से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है और दोनों उत्पाद भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय हैं। आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से निर्यातित वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है और दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। किसी भी प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में आवेदक के दावे का खंडन नहीं किया है।
11. प्राधिकारी ने मामले की जांच की है और यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय हैं। दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता दोनों का अदल-बदल कर उपयोग कर रहे हैं। इस संबंध में किसी भी विरोधी हितबद्ध पक्षकार ने कोई आपत्ति नहीं की है। इस बात के मद्देनजर याचिकाकर्ता कंपनी द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को पाटनरोधी नियमानुसार संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु माना जा रहा है।

**ग. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार**

12. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है।

"ख" "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।

13. यह आवेदन भारत में संबद्ध वस्तु के घरेलू उद्योग के रूप में मै. आरती इंडस्ट्रीज लि., मुंबई (जिसे आवेदक कहा गया है) द्वारा दायर किया गया था। आवेदक देश में एम पी डी ए का एकमात्र उत्पादक है और इसलिए आवेदक का उत्पादन भारत में समान वस्तु के घरेलू उत्पादन का 100% बनता है। आवेदक के आधार और घरेलू उद्योग की स्थिति के बारे में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई आपत्ति नहीं की है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए और विधिवत जांच के बाद यह माना जाता है कि आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) के अनुसार आधार एवं घरेलू उद्योग की अपेक्षाओं को पूरा करता है।

#### घ. पाटन मार्जिन

##### घ.1 चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य

##### घ.1.1 चीन जन.गण. के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए एम ई टी जांच और सामान्य मूल्य

14. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन गण को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार, चीन जन गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाता है जो उक्त नियमों के अनुसार प्रारंभिक जांच के प्रयोजनार्थ निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा इस अनुमान के खंडन के अधीन है।

15. यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन तभी किया जा सकता है यदि चीन जन गण के निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करें और इसके विपरीत तथ्यों की पुष्टि करें। चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 के उप पैरा (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंड पर विचार कर सकें कि क्या:-

(क) ऐसे देश में संबंधित फर्मों के कीमतों, लागत और निविष्टियों, कच्ची सामग्रियों, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, उत्पादन बिक्रियों और निवेश से संबंधित निर्णय बाजार संकेतों के प्रतिक्रियास्वरूप लिए जाते हैं जिनमें पूर्ति और मांग प्रदर्शित होता है और इस संबंध में राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्यों को प्रदर्शित करती हैं।

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें और वित्तीय स्थिति विशेष रूप से परिसंपत्तियों के ह्रास, अन्य बट्टे-खातों, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान की दृष्टि से पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से प्राप्त पर्याप्त विकृतियों के अधीन हैं।

(ग) ऐसी फर्म दिवालियापन और संपत्ति संबंधी उन कानूनों के अधीन हैं जो इन फर्मों की कानूनी निश्चितता और प्रचालन के स्थायित्व की गारंटी देते हैं, और

(घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं ।

16. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच शुरुआत संबंधी सूचना के उपरांत प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं । संबद्ध देश के संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों के प्रश्नावली के उत्तरों तथा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तरों की निम्नानुसार जांच की गई है ।

#### घ. 1.2 एम ई टी की मांग करने वाले प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक

17. बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किए जाने के बारे में सेजियांग अमीनो केम कं. लि., चांगशान हैचांग कैमिकल कं. लि. और जियांग्सु तियांजियायी कैमिकल कं. लि. ने निम्नलिखित दावे प्रस्तुत किए हैं । संबद्ध वस्तु के इन सभी उत्पादकों और निर्यातकों ने एम ई टी व्यवहार की मांग की है ।

##### घ.1.2.1 सेजियांग अमीनो केम कं. लि.

##### एम ई टी तथा पाटन मार्जिन के मुद्दे पर कंपनी द्वारा किए गए अनुरोध

18. मै. झेजियांग अमीनो ने दावा किया है कि वह \*\*\*% से जियांग लांगरोंग ग्रुप कं. लि. और \*\*\*%मेट्रोजेम होल्डिंग्स लि. के स्वामित्व में है । अपने अनुरोध में कंपनी ने दावा किया है कि वह झेजियांग लांगशेंड ग्रुप कं. लि. का एक विदेशी (सहकारी या इक्विटी) संयुक्त उद्यम है जो शंघाई स्टॉफ एक्सचेंज में सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध एक कंपनी है और मेट्रोजेम होल्डिंग्स लि. हांगकांग में पंजीकृत एक निवेश कंपनी है । यह भी अनुरोध किया गया है कि मै. शंघाई अमीनो केम कं. लि. (संबद्ध कंपनी) एक व्यापार कंपनी है और उसने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है ।

19. यह अनुरोध किया गया है कि झेजियांग हांगशेंग कैमिकल कं. लि. एक संबद्ध कंपनी है जो एम पी डी ए का उत्पादन भी करती है और शंघाई अमीनो-केम कं.लि. एक संबद्ध कंपनी है जो संबद्ध पण्य वस्तु का व्यापार भी करती है । यह भी अनुरोध किया गया है कि एक अन्य संबद्ध कंपनी हैंगझोऊ लांग शान कैमिकल कं. लि. झेजियांग अमीनो की कच्ची सामग्री की आपूर्तिकर्ता भी है । यह भी अनुरोध किया गया है कि यह स्थानीय लोगों द्वारा स्थापित नहीं है और यह राज्य के पूर्ण या आंशिक स्वामित्व या स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकरणों के स्वामित्व में नहीं है । इसके अलावा, यह अनुरोध किया गया है कि यह राज्य या स्थानीय निकायों से निजीकरण में रूपांतरित नहीं है । उत्पादक/निर्यातक ने अनुरोध किया है कि कच्ची सामग्री और उपयोगिताओं की खरीद यद्यपि, संबद्ध और असंबद्ध आपूर्तिकर्ताओं से की जाती है तथापि, यह सामान्य दरों पर की जाती है न कि

विशेष या सब्सिडीयुक्त दरों पर । यह भी दावा किया गया है कि वाणिज्य मंडल सबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत या मात्रा तय करने में कहीं भी शामिल नहीं है । इसके अलावा, उन्होंने अनुरोध किया है कि देश के दिवालियापन तथा संपत्ति कानून इस कंपनी पर समान रूप से लागू होते हैं । इसके अलावा, बिक्री कीमत/मात्रा निर्धारित करने में कोई स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकरण या राज्य शामिल नहीं है और निर्यात, उत्पादन या बिक्री पर कोई प्रतिबंध नहीं है और यह कि कंपनी कभी भी विनिमय व्यापार में शामिल नहीं रही है । यह भी नोट किया जाता है कि झेजियांग अमीनो घरेलू बाजार में सीधे अपने ग्राहकों को संबद्ध वस्तु की बिक्री करती है ।

**घ.1.2.2चांगशांग हैचेंग कैमिकल कं. लि., चीन जन.गण. (निर्यातक) एमईटी तथा पाटन मार्जिन के मुद्दे पर निर्यातक द्वारा किए गए अनुरोध**

20. हैचेंग कैमिकल ने दावा किया है कि वह \*\*\*% श्री \*\*\* और \*\*\*% श्री \*\*\* के स्वामित्व में है । अपने अनुरोध में कंपनी ने दावा किया है कि यह चीन की एक पूर्णतः सीमित दायित्व वाली कंपनी है ।

21. हैचेंग कैमिकल ने यह अनुरोध किया है कि वह पण्य वस्तु की एकमात्र निर्यातक है और उत्पादन में उसकी कोई भूमिका नहीं है । यह भी अनुरोध किया गया है कि संबद्ध वस्तु का उत्पादन, बिक्री या वितरण करने वाली कोई अन्य संबद्ध कंपनी नहीं है । उत्तर से यह नोट किया जाता है कि मै. हैचेंग ने घरेलू बाजार में दो आपूर्तिकर्ताओं से संबंधित उत्पाद की खरीद की और तत्पश्चात् भारत सहित विश्व बाजार में उसका निर्यात किया । इनमें एक आपूर्तिकर्ता शंघाई अमीनो-कैम टी एम कं. लि. (जिसे आगे अमीनो कहा गया है) और दूसरी जियांग्सु तियांजियायी कैमिकल कं.लि. (जिसे आगे तियांजियायी कहा गया है) है । वर्तमान उत्तर उत्पादक के रूप में तियांजियायी और निर्यातक के रूप में संयुक्त रूप से दायर किया गया है ।

22. यह भी अनुरोध किया गया है कि हालांकि इसकी स्थापना चीन के दो गैर-सरकारी नागरिकों ने की है तथापि यह राज्य के पूर्ण या आंशिक अथवा स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकरणों के स्वामित्व में नहीं है । इसके अलावा, यह अनुरोध किया गया है कि यह राज्य या स्थानीय निकायों से निजीकरण में रूपांतरित नहीं है । निर्यातक ने अनुरोध किया है कि चूंकि वह उत्पादक नहीं है इसलिए वह कच्ची सामग्री की खरीद नहीं करता है । यह भी अनुरोध किया गया है कि वाणिज्य मंडल सबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत या मात्रा तय करने में कहीं भी शामिल नहीं है । इसके अलावा, उन्होंने अनुरोध किया है कि देश के दिवालियापन तथा संपत्ति कानून इस कंपनी पर समान रूप से लागू होते हैं । इसके अलावा, बिक्री कीमत/मात्रा निर्धारित करने में कोई स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकरण या राज्य शामिल नहीं है और निर्यात, उत्पादन या बिक्री पर कोई प्रतिबंध नहीं है और यह कि कंपनी कभी भी विनिमय व्यापार में शामिल नहीं रही है । यह भी नोट किया जाता है कि हैचेंग कैमिकल द्वारा घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की अत्यंत मामूली मांग की बिक्री की जाती है ।

### **घ.1.2.3 जियांग्सु तियांजियायी कैमिकल कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) एम ई टी और पाटन मार्जिन के मुद्दे पर उत्पादक द्वारा किए गए अनुरोध**

23. जियांग्सु तियांजियायी ने दावा किया है कि उस पर \*\*\*% स्वामित्व \*\*\* के पास और \*\*\*% स्वामित्व \*\*\* के पास है। अपने अनुरोधों में कंपनी ने दावा किया है कि यह चीन की पूर्णतः सीमित दायित्व वाली कंपनी है और दोनों शेयरधारक चीन के नागरिक हैं।

24. हैचेंग कैमिकल ने यह अनुरोध किया है कि वह पण्य वस्तु की मात्र उत्पादक है और उसने कभी भी भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है। यह भी अनुरोध किया गया है कि संबद्ध वस्तु के उत्पादन, बिक्री या वितरण में संलग्न कोई अन्य संबद्ध कंपनी नहीं है। यह भी अनुरोध किया गया है कि जियांग्सु निजियाजियांग ग्रुप कं. लि. उत्पादक की मूल कंपनी के रूप में कार्य करती है।

25. इसके अलावा, यह अनुरोध किया गया है कि यह स्थानीय लोगों द्वारा स्थापित नहीं है और यह राज्य के पूर्ण या आंशिक स्वामित्व या स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकरणों के स्वामित्व में नहीं है। उत्पादक ने अनुरोध किया है कि कच्ची सामग्री और उपयोगिताओं की खरीद सामान्य दरों पर की जाती है न कि विशेष या सब्सिडीयुक्त दर पर। तथापि, यह सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य प्रदान नहीं किया गया है कि निविष्टि कीमत में बाजार मूल्य का पर्याप्त प्रदर्शन होता है। यह भी अनुरोध किया गया है कि वाणिज्य मंडल सबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत या मात्रा तय करने में कहीं भी शामिल नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने अनुरोध किया है कि देश के दिवालियापन तथा संपत्ति कानून इस कंपनी पर समान रूप से लागू होते हैं। इसके अलावा, बिक्री कीमत/मात्रा निर्धारित करने में कोई स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकरण या राज्य शामिल नहीं है और निर्यात, उत्पादन या बिक्री पर कोई प्रतिबंध नहीं है और यह कि कंपनी कभी भी विनिमय व्यापार में शामिल नहीं रही है। यह भी नोट किया जाता है कि जियांग्सु तियांजियायी घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री सीधे अपने अंतिम प्रयोक्ताओं और व्यापार कंपनियों को करती है जो उसका निर्यात कर सकती हैं और नहीं भी।

### **घ. 1.3 एम ई टी व्यवहार तथा पाटन के मुद्दे पर घरेलू उद्योग के विचार**

26. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं :

- (i) पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुबंध-1 के पैरा 8(2)(i) पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) में इस अनुमान का प्रावधान है कि ऐसे किसी देश को एन एम ई देश माना जाएगा जिसे जांच से पूर्ववर्ती तीन वर्ष की अवधि के दौरान स्वयं प्राधिकारी द्वारा या डब्ल्यू टी ओ के किसी सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एन एम ई देश निर्धारित किया जाना है या ऐसा माना गया है। प्राधिकारी ने स्वयं पिछले तीन वर्षों के दौरान की गई प्रत्येक जांच में चीन.जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। यह सुविदित है कि

अमरीका और यूरोपीय संघ सहित डब्ल्यू टी ओ के लगभग प्रत्येक सदस्य ने चीन जन.गण. को बार-बार एन एम ई देश माना है ।

- (ii) पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के परंतुक में यह प्रावधान है कि निर्यातक इस आशय की सूचना और साक्ष्य प्रदान कर इस अनुमान का खंडन कर सकते हैं जिससे यह सिद्ध होता हो कि चीन जन.गण. एक एन एम ई देश नहीं है ।
- (iii) पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में यह प्रावधान है कि अलग-अलग निर्यातक यह सिद्ध करने के लिए सूचना और साक्ष्य प्रदान कर सकते हैं कि उनके लिए बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां विद्यमान हैं । तथापि, इस पैराग्राफ के अंतर्गत सहयोगी निर्यातकों द्वारा किए गए दावे को परवर्ती पैराग्राफ में उल्लिखित विभिन्न कारणों से स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए ।
- (iv) प्रारंभ में यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि सूचना के संबंध में अपर्याप्त और अपूर्ण होने के अलावा उत्तरों से प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रपत्र की पूर्ति भी नहीं होती है । प्रपत्र की जानबूझकर अनदेखी नहीं की जा सकती जिसमें सर्वप्रथम "कड़े अनुपालन" की अपेक्षा की गई है । परिशिष्ट क और ख उत्तर के अंत में दी गई हैं जबकि अन्य परिशिष्ट निर्धारित प्रपत्र में दी गई हैं ।
- (v) हालांकि किसी उत्तर के अगोपनीय रूपांतरण में बमुश्किल कोई सूचना दी गई है । तथापि, अन्यत्र प्रदत्त सूचना अधूरी है और यह "संदर्भ पुस्तिका" या नमूना प्रपत्र की अनुकृति के रूप में कार्य करती है । संगत सूचना के अभाव में उत्तरों से घरेलू उद्योग को तथ्यपरक टिप्पणियां करने का अवसर प्राप्त नहीं होता है ।
- (vi) झेजियांग अमीनो द्वारा दावा किए गए एम ई टी दर्जे के बारे में अनुरोध है कि इसे रद्द किया जाए और निर्यातक को निम्नलिखित आधारों पर बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया जा सकता ।

(1.)नियंत्रक कंपनी लोंगशेंग गुप कंपनी लि.के पूर्व अध्यक्ष श्री रूआन स्वीलॉग चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के सर्वविदित सदस्य हैं । इस तथ्य को देखते हुए कि नियंत्रक कंपनी के वर्तमान अध्यक्ष श्री रूआन विक्सयांग, श्री रूआन स्वीलॉग के पुत्र हैं और इस प्रकार राज्य और निर्यातक के बीच मजबूत संबंध की पुष्टि होती है ।

(2.)इसके अलावा, एक संबद्ध कंपनी हैंगझोऊ लोंगशान कैमिकल कंपनी लि. राज्य की स्वामित्व वाली फैक्ट्री के रूप में मानी जाती थी और इसमें हाल ही में शेरधारिता की पद्धति में फेरबदल हुआ है । यह कंपनी भी निर्यातक को कच्ची सामग्री के प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक है । इस प्रकार राज्य की कार्रवाई से निर्यातक के स्वतंत्र होने में गंभीर शंका उत्पन्न होती है ।



- (3.) वाणिज्य मंत्रालय (चीन) के तत्वावधान में चाइना कमोडिटी नेट उक्त नेटवर्क के सदस्यों में से एक सदस्य शंघाई अमीनो कैम कंपनी लि. (संबद्ध कंपनी) की कीमत तय करने में वाणिज्य मंडल के रूप में कार्य करता है।
- (4.) तथ्यपरक साक्ष्य के अभाव में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में उचित बाजार कीमत पर संबद्ध कंपनियों से कच्ची सामग्री की आपूर्ति के दावों को स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि इस प्रकार की खरीद में इन संबद्ध कंपनियों से एम डी एन बी जैसे मध्यवर्ती उत्पाद शामिल रहे हों।
- (5.) हैंगझोऊ बे शांग्यू इंडस्ट्रियल पार्क, जो निवेशों तथा निर्यात बिक्रियों के लिए विभिन्न प्रोत्साहन और रियायतें मुहैया करता है, की निवेश नीति के मद्देनजर (संलग्न साक्ष्य द्वारा समर्थित) निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता। इसके परिणामस्वरूप 17 प्रतिशत की निर्यात कर रिबेट लागू होती है जिसे अपने उत्तर में स्वयं निर्यातक ने स्वीकार किया है।
- (6.) इसके अलावा, एक संबद्ध कंपनी शंघाई अमीनो कैम कंपनी लि. के बारे में दावा किया गया है कि वह केवल एक व्यापारी है परंतु साक्ष्य से एक प्रतिकूल तथ्य का पता चलता है कि शंघाई अमीनो कैम के पास ही 55,000 मी.ट./वर्ष की खुद की क्षमता के अलावा, एम पी डी ए की 25,000 मी.ट./वर्ष की क्षमता है।
- (vii) जियांगशू तियानजियाई और चांगशान हैचेंग द्वारा किए गए एम ई टी के दर्जे के दावे के बारे में यह अनुरोध किया जाता है कि इसे रद्द किया जाए और निर्यातक-उत्पादक के संयोजन को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया जा सकता। शेयरधारकों और निदेशक मंडल के सदस्यों से संबंधित संगत सूचना और कच्ची सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं से संबंधित सूचना और अन्य व्यापार सूचना के अभाव में उत्पादक और निर्यातक दोनों की स्वतंत्रता गंभीर संदेह में आ गई है। इसके अलावा, उत्पादक द्वारा कच्ची सामग्री की खरीद में मै. जियानजिन निजियाजियांग कैमिकल कंपनी लि. द्वारा अदा की गई भूमिका से ऐसे किसी व्यवहार का दावा नगण्य बन जाता है।

#### घ.1.4 प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य की जांच और उसका निर्धारण

##### चीन जन.गण. में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

27. इस संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उपबंध है कि :

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार

पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।

28. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन गण को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार, चीन जन गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाता है जो उक्त नियमों के अनुसार प्रारंभिक जांच के प्रयोजनार्थ निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा इस अनुमान के खंडन के अधीन है।

29. यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन तभी किया जा सकता है यदि चीन जन गण के निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करें और इसके विपरीत तथ्यों की पुष्टि करें। चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 के उप पैरा (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि प्राधिकारी उसमें उल्लिखित मानदंड पर विचार कर सकें।

30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच शुरुआत संबंधी सूचना के उपरांत प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं। संबद्ध देश के संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों के प्रश्नावली के उत्तरों तथा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तरों की निम्नानुसार जांच की गई है।

#### मै. जियांगशु तियान जियाई कैमिकल कंपनी लि., चीन जन.गण. के एम ई टी उत्तर की जांच

31. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. जियांगशु तियान जियाई कैमिकल कंपनी लि., चीन जन.गण., चीन में एक सीमित दायित्व वाली कंपनी है जिसके दो शेयरधारक हैं अर्थात :

(क) मै. जियांगशु तियान जियाई इन्वेस्टमेंट कंपनी लि., और

(ख) मै. जियानजिन निजियाजियांग गुप कंपनी लि., चीन जन.गण.

32. मै. जियांगशु तियान जियाई कैमिकल कंपनी लि., चीन जन.गण., मै. जियानजिन निजियाजियांग ग्रुप कंपनी लि., चीन जन.गण. की एक सहायक कंपनी है । जियांगशु तियान जियाई कैमिकल कंपनी लि. द्वारा प्रस्तुत संस्थान के अंतर नियमों के अनुसार कंपनी \*\*\* को निगमित की गई थी । निर्यातक द्वारा यह दावा किया गया है कि जियांगशु तियान जियाई इन्वेस्टमेंट कंपनी लि. के चीन के \*\*\* अलग-अलग शेयरधारक हैं और मै. जियानजिन निजियाजियांग ग्रुप कंपनी लि. चीन के अलग-अलग \*\*\* शेयरधारकों के स्वामित्व में है । यह नोट किया जाता है कि मै. जियांगशु तियान जियाई कैमिकल कंपनी लि. घरेलू बाजार में अपने अंतिम प्रयोक्ताओं और व्यापार कंपनियों को संबद्ध वस्तु की सीधे बिक्री करती है जो बाद में उसका निर्यात कर सकती हैं या नहीं । यह भी नोट किया जाता है कि यह कंपनी संबद्ध वस्तु की एक उत्पादक है और उसने भारत को सीधे संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है ।

33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने यह दावा किया है कि तियानजियाई में \*\*\* निदेशक मंडल है । \*\*\* शेयरधारकों का एक शेयरधारक मंडल है जो नैगमिक सत्ताएं हैं । एक कार्यकारी निदेशक है जो कंपनी का प्रबंधक भी है । यद्यपि, यह अनुरोध किया गया है कि इसकी स्थापना स्थानीय नागरिकों द्वारा की गई है और यह राज्य के स्वामित्व में नहीं है अथवा इसका वित्तपोषण स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकरणों द्वारा आंशिक या पूर्ण रूप से नहीं किया जाता है । तथापि, इस आशय का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि यह राज्यों या स्थानीय निकायों से निजीकरण की ओर रूपांतरित हो रही एक कंपनी है । यद्यपि, उत्पादक ने यह अनुरोध किया है कि कच्ची सामग्री और उपयोगिताओं की खरीद सामान्य दरों पर की जाती है न कि विशेष या सब्सिडीशुदा दर पर । तथापि, इस बात की पुष्टि करने के लिए कोई साक्ष्य प्रदान नहीं किया गया है कि निविष्टियों की कीमत से बाजार मूल्य का पर्याप्त प्रदर्शन होता है । इसके अलावा इस आशय का कोई साक्ष्य प्रदान नहीं किया गया है कि भूमि उपयोग के अधिकारों का प्रयोग किया गया है और मशीनरी की खरीद बाजार दरों पर की गई है ।

34. इस प्रकार जहां तक कच्ची सामग्री, उपयोगिताओं, भूमि उपयोग के अधिकारों और मशीनरी की खरीद का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि इस बात की पुष्टि नहीं की गई है कि कच्ची सामग्री और उपयोगिताओं की कीमतों से बाजार मूल्य का पता चलता है । अतः उनके उत्तर के आधार पर इस तथ्य के बारे में अनंतिम रूप से निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है कि उनकी कच्ची सामग्री और उपयोगिता की कीमतों से बाजार मूल्य का पता चलता है । अतः स्वामित्व एवं नियंत्रण, लागत और कीमत एवं कंपनी के व्यापारिक निर्णयों पर उसके प्रभाव तथा उसके सत्यापन सहित मुद्दों की जांच पूरी होने तक प्राधिकारी का यह विचार है कि चीन जन.गण. के इस उत्पादक-निर्यातक को प्रारंभिक निर्धारण हेतु बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता । उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ने इस चरण पर इस कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान न करने का निर्णय लिया है । प्राधिकारी द्वारा मेट प्रश्नावली के उत्तर में मै. जियांगशु तियान जियाई कैमिकल कंपनी लि., चीन जन.गण. द्वारा प्रस्तुत सूचनर के सत्यापन के बाद इस मामले में अंतिम राय कायम की जाएगी । इन परिस्थितियों में प्राधिकारी मै. जियांगशु

लियान जियाई कैमिकल कंपनी लि., चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के उपबंधों के अनुसार कार्यवाही करते हैं ।

**मै. झेजियांग अमीनो-कैम कंपनी लि0 ("झेजियांग अमीनो ") की एम ई टी जांच**

35. मै. झेजियांग अमीनो-कैम कंपनी लि0 ("झेजियांग अमीनो ") ने इस मामले में संबद्ध वस्तु के उत्पादक और निर्यातक के रूप में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर (एम ई टी) दायर किया है । यह अनुरोध किया गया है कि झेजियांग अमीनो संबद्ध उत्पाद का उत्पादन करती है, घरेलू बाजार में उसकी बिक्री करती है और भारत सहित अन्य देशों को उसका निर्यात करती है । मै. झेजियांग होंगशेंग कैमिकल कंपनी लि. ("झेजियांग होंगशेंग "), जो एक संबद्ध कंपनी है, रिसोसिनोल की उत्पादक है जहां उत्पादन प्रक्रिया के दौरान मध्यवर्ती उत्पाद अर्थात् एम पी डी ए का उत्पादन होता है और उत्पादित अधिकांश एम पी डी ए का प्रयोग आबद्ध रूप से होता है । तथापि, तैयार एम पी डी ए के अत्यंत कम प्रतिशत की बिक्री उस अवसर पर झेजियांग अमीनों को की गई थी जब झेजियांग अमीनो घरेलू बाजार में अपने आर्डरों को पूरा नहीं कर सकी थी और झेजियांग होंगशेंग ने जांच अवधि के दौरान भारत को एम पी डी ए का निर्यात नहीं किया । इसके अलावा यह अनुरोध किया गया है कि मै. शंघाई अमीनो-कैम कंपनी लि. एक संबद्ध कंपनी है और वह एक व्यापार कंपनी के रूप में शामिल है । यह अनुरोध किया गया है कि मै. शंघाई अमीनो-कैम कंपनी लि., ने संबद्ध पण्य वस्तु का उत्पादन नहीं किया परंतु उसने जांच अवधि के दौरान घरेलू बाजार में एम पी डी ए की बिक्री की । तथापि, यह अनुरोध किया गया है कि मै. शंघाई अमीनो-कैम कंपनी लि. ने जांच अवधि के दौरान भारत को एम पी डी ए का निर्यात नहीं किया ।

36. यह अनुरोध किया गया है कि झेजियांग अमीनो प्राथमिक रूप से शेयरधारकों के स्वामित्व में है । तथापि, एम ई टी प्रश्नावली के उत्तर में कंपनी ने राज्य/स्थानीय निकायों से निजीकरण की तरफ रूपांतरण के बारे में कोई लेखा-जोखा नहीं दिया है । एम ई टी प्रश्नावली के उत्तर से यह नोट किया जाता है कि झेजियांग अमीनो एक ग्रुप कंपनी का भाग है लेकिन कंपनी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था का उत्तर झेजियांग अमीनो की ओर से दायर किया गया है । जहां तक कच्ची सामग्री और उपयोगिता की कीमत का संबंध है, वह यह सिद्ध करने में विफल रही है कि क्या कच्ची सामग्री के आपूर्तिकर्ता निजी व्यक्ति हैं या राज्य के उद्यम हैं । इस प्रकार जहां तक कच्ची सामग्री, उपयोगिताओं, भूमि उपयोग के अधिकारों और मशीनरी की खरीद का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि इस बात की पुष्टि नहीं की गई है कि कच्ची सामग्री और उपयोगिताओं की कीमतों से बाजार मूल्य का पता चलता है । अतः उनके उत्तर के आधार पर इस तथ्य के बारे में अनंतिम रूप से निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है कि उनकी कच्ची सामग्री और उपयोगिता की कीमतों से बाजार मूल्य का पता चलता है । अतः स्वामित्व एवं नियंत्रण, लागत और कीमत एवं कंपनी के व्यापारिक निर्णयों पर उसके प्रभाव तथा उसके सत्यापन सहित मुद्दों की जांच पूरी होने तक प्राधिकारी का यह विचार है कि चीन जन.गण. के इस उत्पादक-निर्यातक को प्रारंभिक निर्धारण हेतु बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता । उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ने

इस चरण पर इस कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान न करने का निर्णय लिया है। प्राधिकारी द्वारा मेट प्रश्नावली के उत्तर में मै. जियांगशु तियान जियाई कैमिकल कंपनी लि., चीन जन.गण. द्वारा प्रस्तुत सूचनर के सत्यापन के बाद इस मामले में अंतिम राय कायम की जाएगी। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी मै. मै. झेजियांग अमीनो-कैम कंपनी लि., चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के उपबंधों के अनुसार कार्यवाही करते हैं।

37. ऊपर किए गए उल्लेखानुसार प्राधिकारी उक्त उत्पादक जिसने उपर्युक्त कारणों के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा किया है, को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करना उचित नहीं समझते हैं। अतः प्राधिकारी ने प्रमुख कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, खपत एवं घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत तथा उचित लाभ मार्जिन पर विचार करते हुए चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के सभी उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया है।

#### घ.1.5 चीन जन.गण. के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

38. इन परिस्थितियों में प्राधिकारी चीन की उपर्युक्त कंपनियों को नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 को लागू करने की स्थिति में नहीं है और प्राधिकारी को नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार कार्रवाई करनी पड़ी है। इन नियमों के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित में से किसी एक आधार पर किया जा सकता है।

- क. बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे देश में कीमत के आधार पर, अथवा,
- ख. बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे देश में परिकलित मूल्य, अथवा
- ग. ऐसे किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत
- घ. यदि उपर्युक्त विकल्पों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित समान उत्पाद हेतु भारत में वास्तव में संदत्त या संदेय कीमत सहित किसी अन्य उचित आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं।

39. प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीसरे देश की लागत और कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु घरेलू बिक्री या तीसरे देश की निर्यात बिक्री के साथ-साथ उत्पादन लागत के बारे में पूर्ण और व्यापक आंकड़ों तथा तीसरे देश में ऐसे उत्पादकों के सहयोग की जरूरत होती है। आवेदक या प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा इन बाजारों में प्रचलित कीमत और लागत के बारे में कोई सूचना प्रदान नहीं की गई है और न ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कोई सूचना हासिल हो सकी है और न ही चीन की प्रतिवादी कंपनियों ने इस चरण पर बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी उचित तीसरे देश के बारे में कोई दावा किया है। इन मुद्दों की आगे जांच होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी किसी अन्य उचित आधार पर सामान्य मूल्य का अनंतिम परिकलन करने की कार्रवाई करते हैं।

40. अतः सामान्य मूल्य का परिकलन प्राधिकारी द्वारा यथासत्यापित घरेलू उद्योग की निविष्टि, लागत एवं परिवर्तन लागत तथा उचित लाभ मार्जिन के आधार पर किया गया है ।

**चैंगशान हैचेंग कैमिकल कं. लि. (निर्यातक) के जरिए निर्यातित मै. जियांगशु तियानजियाई कैमिकल कंपनी लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) की निर्यात कीमत का निर्धारण**

41. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. जियांगशु तियानजियाई कैमिकल कंपनी लि., चीन जन.गण.ने मै. चैंगशान हैचेंग कैमिकल कं. लि. के जरिए संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है जिसके बारे में चीन से असंबद्ध व्यापारी होने का दावा किया गया है । उत्तर से यह भी नोट किया जाता है कि मै. चैंगशान हैचेंग ने एक अन्य असंबद्ध उत्पादक मै. अमीनो शंघाई से भी संबद्ध वस्तु की खरीद की है । यह नोट किया जाता है कि अमीनो शंघाई मै. चैंगशान हैचेंग की संबद्ध कंपनी नहीं है और उसने जांच में भाग नहीं लिया है । उनके उत्तर से यह भी नोट किया जाता है जो मौके पर सत्यापन के अधीन है, की जांच अवधि के दौरान मै. चैंगशान हैचेंग ने जियांगशु तियानजियाई से \*\*\* मी.ट. संबद्ध वस्तु की प्राप्ति की है । जियांगशु तियानजियाई से संबद्ध वस्तु की की गई कुल खरीद में से मै. चैंगशान हैचेंग ने चीन के घरेलू बाजार में \*\*\* की बिक्री की है और जांच अवधि के बाद \*\*\* मी.ट. का भारत को निर्यात किया गया है । वस्तुतः मै. चैंगशान हैचेंग ने जांच अवधि के दौरान \*\*\* मी.ट. संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है ।

42. यह नोट किया जाता है कि अपने उत्तर में मै. चैंगशान हैचेंग ने निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से भारत को किए गए निर्यातों के बारे में सौदेवार सूचना प्रदान की है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत को निर्यात बिक्री सी आई एफ आधार पर की गई है । निर्यातक ने समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, हैंडलिंग, बैंक प्रभारों और ऋण लागत के संबंध में समायोजनों का दावा किया है । निर्यातक द्वारा इस चरण पर इन शीर्षों के अंतर्गत किए गए कुल समायोजनों के दावे की अनुमति दी गई है जो प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ सत्यापन के अधीन है । अतः जियांगशु तियानजियाई कैमिकल कंपनी लि. द्वारा उत्पादित और चैंगशान हैचेंग कैमिकल कं. लि., चीन जन.गण. द्वारा निर्यातित वस्तु के लिए निवल निर्यात कीमत अर्थात् कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत का अंतिम निर्धारण किया जाता है जिसका उल्लेख पाटन मार्जिन दर्शाने वाली तालिका में किया गया है ।

**मै. झेजियांग अमीनो की निर्यात कीमत का निर्धारण**

43. यह नोट किया जाता है कि मै. झेजियांग अमीनो ने जांच अवधि के दौरान भारत को \*\*\* मी.ट. एम पी डी ए का निर्यात किया है । भारतीय ग्राहकों को बिक्री सी आई एफ शर्तों पर की गई है । कारखाना निर्यात कीमत निकालने के लिए निर्यातक ने समुद्री भाड़े, घरेलू भाड़े, हैंडलिंग प्रभार और भारत के लिए समुद्री बीमा तथा ऋण व्यय हेतु समायोजनों का दावा किया है । तथापि, यह देखा जाता है कि अप्रत्यादेय वैट के लिए कोई समायोजन नहीं किया गया है । यद्यपि, निर्यातक के लिए बीजक के 17 % की दर से वैट का भुगतान करना अपेक्षित है और वह निर्यात पर प्रदत्त वैट के एक भाग को वापस लेने का हकदार है । ऐसे समायोजन बीजक मूल्य के आधार पर किए गए हैं । वैट समायोजनों सहित किए गए दावों के स्पष्टीकरण और सत्यापन के लंबित रहने तक प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन दर्शाने वाली तालिका में किए गए उल्लेखानुसार, उपर्युक्त निर्यातक की निर्यात कीमत निर्धारित की है ।

### चीन जन.गण. के असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

44. अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए विचाराधीन उत्पाद के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के अनुसार किया गया है। इस प्रयोजनार्थ निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर और भारत में विचाराधीन उत्पाद के आयातों से संबंधित भारतीय सीमाशुल्क के आंकड़ों पर विचार किया है। उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कीमत समायोजनों की अनुमति दी गई है। भारत को निर्यात बिक्रियों (सभी समायोजनों को छोड़कर) पर कारखाना निर्यात कीमत के रूप में विचार किया गया है जिनकी तुलना पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु विचाराधीन उत्पाद के सामान्य मूल्य के साथ की गई है। आंकड़ों के विश्लेषण के बाद पाटन मार्जिन की गणना निम्नलिखित तालिका में किए गए उल्लेखानुसार की गई है।

45. आंकड़ों के विश्लेषण के बाद पाटन मार्जिन की गणना निम्नलिखित तालिका में किए गए उल्लेखानुसार की गई है।

उत्पादक	निर्यातक	एन वी	ई पी	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
जियांगशु तियानजियायी कैमिकल कं. लि.	चांगशेन हेचियांग कैमिकल कं. लि.	***	***	***	25-35
झेजियांग अमीनो-कैम कं. लि.	झेजियांग अमीनो-कैम कं. लि.	***	***	***	25-35
चीन जन.गण. से अन्य कोई उत्पादक/निर्यातक	चीन जन.गण. से अन्य कोई उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	35-45

### ड क्षति

#### ड2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

46. घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि :

- (क) संबद्ध देश से हुए आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन तथा खपत की तुलना में वृद्धि हुई है;
- (ख) संबद्ध देश से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में अत्यधिक कटौती हो रही है। घरेलू कीमत में आयात कीमत की वजह से कटौती घरेलू उद्योग द्वारा पहले से प्रस्तुत कम कीमत के बावजूद हुई है।
- (ग) जहां उत्पादन लागत में वृद्धि हो रही थी, वहीं बिक्री कीमत में गिरावट आई। इसके अलावा, जहां उत्पादन लागत में कुछ गिरावट (पूर्ववर्ती वर्षों में) आई, वहीं कीमत में उक्त

गिरावट लागत में आई गिरावट से अधिक रही थी । कुल मिलाकर आयातों के कारण घरेलू कीमतों का ह्रास और न्यूनीकरण हो रहा है ।

- (घ) घेल उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में 2010-11 तक सुधार हुआ और उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई । घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भी गिरावट आई ।
- (ङ) लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई रही थी और ये जांच अवधि में नकारात्मक बन गए ।
- (च) मजदूरी और उत्पादकता में सुधार हुआ है ।
- (छ) पाटन की मौजूदगी के उपाय के रूप में पाटन मार्जिन काफी अधिक है ।

**ड3 घरेलू उद्योग को हुई क्षति से संबंधित मापदंडों के बारे में निर्यातकों/आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-**

47. प्रारंभ में यह अनुरोध किया जाता है कि याचिका का अगोपनीय रूपांतरण पूर्णतः त्रुटिपूर्ण और अपर्याप्त है जिससे अन्य पक्षकार अपनी टिप्पणियां देने में असमर्थ रहे हैं । इससे उचित निष्कर्ष निकालने में प्राधिकारी को समर्थ बनाने के लिए पर्याप्त और अनिवार्य अनुरोधों के जरिए सार्थक खंडन उपलब्ध कराने के हमारे अधिकार में गंभीर बाधा पहुंची है ।

#### **मांग और बाजार हिस्सा**

48. निम्नलिखित तालिका से यह नोट किया जा सकता है कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में वर्ष 2009-10 तक वृद्धि हो रही थी । तथापि, उसमें वर्ष 2010-11 के दौरान और जांच अवधि में गिरावट आई है । अतः वर्ष 2009-10 और 2010-11 की तुलना में जांच अवधि के दौरान बाजार हिस्से में किसी गिरावट को मांग में गिरावट के मद्देनजर देखा जाना चाहिए ।

#### **क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग**

49. याचिकाकर्ता का उत्पादन वर्ष 2008-09 में 684 मी.ट. था, जो जांच अवधि के दौरान बढ़कर 1151 मी.ट. हो गया । परिणामतः क्षमता उपयोग जो वर्ष 2008-09 के दौरान केवल 19% था, जांच अवधि के दौरान बढ़कर 32% हो गया । इसके अलावा, यह नोट किया जा सकता है कि वर्ष 2009-10 और 2010-11 की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तु की मांग में गिरावट आई है । अतः वर्ष 2009-10 और 2010-11 की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन और क्षमता उपयोग में किसी गिरावट को मांग में गिरावट के मद्देनजर देखा जाना चाहिए ।



50. यह नोट करना अत्यंत रोचक है कि वर्ष 2008-09 के दौरान नकारात्मक कीमत कटौती के बावजूद याचिकाकर्ता 19 प्रतिशत पर संबद्ध वस्तु के संयंत्र का प्रचालन कर रहा था। इस प्रकार संबद्ध देश से आरोपित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।

### बिक्री मात्रा

51. यह देखा जा सकता है कि आधार वर्ष की तुलना में घरेलू बाजार में याचिकाकर्ता की बिक्री मात्रा में 19% की वृद्धि हुई है।

52. यह उल्लेख करना भी प्रासंगिक है कि वर्ष 2008-09 के दौरान नकारात्मक कीमत कटौती के बावजूद घरेलू बाजार में याचिकाकर्ता की बिक्री मात्रा सबसे कम स्तर पर रही थी जबकि इसे सर्वोच्च स्तर पर होना चाहिए था। इस स्थिति में एक स्पष्ट प्रश्न यह उठेगा कि याचिकाकर्ता को वर्ष 2008-09 के दौरान जब कीमत कटौती नकारात्मक थी, उसकी मात्रा को बढ़ाने से किसने रोका था। इसके अलावा, यह नोट किया जा सकता है कि वर्ष 2009-10 और 2010-11 की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तु की मांग में गिरावट आई है। अतः बिक्री में किसी गिरावट को मांग में गिरावट के मद्देनजर देखा जाना चाहिए। इस प्रकार संबद्ध देश से आरोपित पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।

### उत्पादन लागत

53. यह अनुरोध किया जाता है कि अन्य विदेशी उत्पादकों की तुलना में याचिकाकर्ता की उत्पादन लागत असामान्य रूप से अधिक है। समूची क्षति अवधि के दौरान याचिकाकर्ता का क्षमता उपयोग 19 प्रतिशत से 44 प्रतिशत के बीच रहा था। संयंत्र के कम उपयोग के परिणामस्वरूप याचिकाकर्ता की उत्पादन लागत नियत लागत के कारण काफी अधिक बढ़ गई थी। यद्यपि, आधार वर्ष के दौरान कीमत कटौती नकारात्मक थी, तथापि, याचिकाकर्ता अपने क्षमता उपयोग में सुधार नहीं कर सका। वस्तुतः उस समय क्षमता उपयोग 19 प्रतिशत के न्यूनतम स्तर पर था। अतः प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे कृपया ऊपर स्पष्ट किए गए अनुसार याचिकाकर्ता की समूची लागत संरचना पर निर्णायक ढंग से गौर करें और जांच के दौरान क्षति जांच करते समय अक्षमताओं के कारण आई उच्च उत्पादन लागत को रद्द कर दें।

### लाभप्रदता

54. यह अनुरोध किया जाता है कि याचिकाकर्ता को घाटा वर्ष 2010-11 और जांच अवधि के बीच हुआ है जब आरोपित पाटित आयातों की मात्रा में 2009-10 में, जब याचिकाकर्ता लाभ कमा रहा था, हुई 1264 मी.ट. की वृद्धि की तुलना में केवल 545 मी.ट. की हुई थी। इसके अलावा, घरेलू बाजार पर संबद्ध वस्तु की मांग में गिरावट का उसकी लाभप्रदता पर विकृतकारी प्रभाव पड़ना चाहिए था। इस प्रकार याचिकाकर्ता को कोई क्षति उच्च लागत के कारण हुई है क्योंकि याचिकाकर्ता अक्षम था और इसका कारण संबद्ध देश से आरोपित पाटित आयातों को नहीं माना जा सकता।

### कीमत कटौती

55. याचिकाकर्ता अपनी बिक्री मात्रा वर्ष 2008-09 में 614 मी.ट. से बढ़ाकर 2010-11 में 1228 मी.ट. और जांच अवधि में 730 मी.ट. करने में सफल हुआ है। याचिकाकर्ता द्वारा किए गए निर्धारण के अनुसार, यदि वास्तव में कीमत में ऐसी कटौती हुई होती तो घरेलू उद्योग को बिक्री मात्रा में ऐसी वृद्धि दर्शाने के बजाए अपनी बिक्री मात्रा बनाए रखने में मशक्कत करनी पड़ती। अतः संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत की तुलना में निवल बिक्री प्राप्ति के बीच कोई सह-संबंध नहीं है।

### ड3 प्राधिकारी द्वारा जांच

56. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ..... " ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

57. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर विचार किया गया है।

58. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में यह उपबंध है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव ; तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

59. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के विचारों पर गौर किया है और उनका समुचित समाधान किया है। हितबद्ध पक्षकारों के विशिष्ट अनुरोधों पर प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति संबंधी मापदंडों की जांच करते समय इस जांच परिणाम में समुचित स्थानों पर की है।

60. प्राधिकारी ने नियमों के अनुसार क्षति मापदंडों का विश्लेषण किया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं।

61. जहां तक घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग कम रहने का संबंध है, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्रचालनगत अक्षमताओं को दूर करने के प्रयोजनार्थ क्षति अवधि और जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा प्राप्त सर्वोत्तम क्षमता उपयोग पर विचार किया है। इस संबंध में आगे यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के पास कई रसायनों का उत्पादन करने वाली संयुक्त उत्पादन क्षमता है। घरेलू उद्योग द्वारा आबद्ध रूप से प्रमुख निविष्टि अर्थात् एम डी एन बी का भी उत्पादन किया जा रहा है जिसका उपयोग एम पी डी ए के विनिर्माण में होता है। एम डी एन बी और एन पी डी ए दोनों के विनिर्माण हेतु पृथक क्षमताएं हैं। अक्षम प्रयोगों के कारण उच्चतर लागत को दूर करने के लिए प्राधिकारी ने सुसंगत पद्धति के अनुसार क्षमताओं के ईष्टतम उपयोग पर समुचित विचार किया है। जहां तक क्षति अवधि की तुलना में संबद्ध वस्तु की मांग में कमी का प्रश्न है, घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि संबद्ध वस्तु का आयात अन्य वर्गीकरणों में भी हुआ है। प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ और आगे जांच लंबित रहने तक प्राधिकारी ने उत्तर की जांच की है और यह नोट करते हैं कि हालांकि संबद्ध वस्तु की मांग में गिरावट आई है, तथापि घरेलू उद्योग की बिक्री में हुए नुकसान की तुलना में संबद्ध देशों से हुए आयात की मात्रा में गिरावट अत्यंत नगण्य थी। इसके अलावा, जांच अवधि के दौरान निविष्टि लागत में वृद्धि के बावजूद आयातों के पहुंच मूल्य में भारी गिरावट आई है। जहां तक इस तथ्य का संबंध है, कि याचिका अत्यंत त्रुटिपूर्ण है, यह नोट किया जाता है कि जांच की शुरुआत हेतु प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया आवेदन विधिवत प्रलेखित था। जहां तक संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य के परिकलन का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु के परिकलित सामान्य मूल्य का निर्धारण बेंजीन की प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमत को ध्यान में रखकर किया गया है। इसके अलावा, जांच की प्रक्रिया के दौरान यह नोट किया गया था कि घरेलू उद्योग की बेंजीन की खरीद कीमत बेंजीन की प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमत के अनुरूप थी।

### डू3.1 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

#### आयात मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा

62. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है :-

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

63. यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान चीन जन.गण. से हुए आयातों में समग्र रूप में अत्यधिक वृद्धि दर्ज की गई है अर्थात् ये आयात 2008-09 में 1841 से बढ़कर जांच अवधि में 2983 मी.ट. (2386 वार्षिक) हो गए हैं। यह भी नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान अन्य संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों में भी उसी अवधि के दौरान समग्र रूप में अत्यधिक वृद्धि प्रदर्शित हुई है। तथापि, यह वृद्धि संबद्ध देशों से हुई वृद्धि की तुलना में काफी कम है। इसके अलावा, आयातों में समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है। इसके अलावा, अन्य देशों से भी समसामयिक वृद्धि हुई है। तथापि, इन आयातों की मात्रा काफी अधिक नहीं है और इनमें से अधिकांश आयात संबद्ध देश से निर्यात कीमत से उच्च कीमत पर दर्ज किए गए हैं।

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि	जांच अवधि -वार्षिकीकृत
आयात -						
चीन जन.गण.	मी.ट.	1,841	3,105	2,654	2,983	2,386
अन्य देश	मी.ट.	1	0	64	235	188
कुल आयात	मी.ट.	1,842	3,105	2,718	3,217	2,574
आयातों में बाजार हिस्सा						
चीन जन.गण.	%	99.94	100.00	97.66	92.70	92.70
चीन जन.गण.	%	0.06	0	2.34	7.30	7.30

#### (क) मांग और बाजार हिस्से का निर्धारण

64. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मांग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री, अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री और समस्त स्रोतों से भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा के रूप में किया है। इस प्रकार निर्धारित मांग निम्नलिखित तालिका में दर्शायी गई है। यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तु की मांग में 2009-10 में अत्यधिक वृद्धि हुई और उसके बाद 2010-11 तथा

जांच अवधि में गिरावट आई । तथापि, यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष 2008-09 की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि हुई थी । प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि यद्यपि, जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में कुछ गिरावट आई थी, तथापि, घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट संबद्ध देशों से हुए आयातों की मात्रा में आई गिरावट की तुलना में काफी अधिक रही थी ।

मांग	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि	जांच अवधि - वार्षिकीकृत
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	614	1,006	1,228	913	730
संबद्ध देश-आयातक	मी.ट.	1,841	3,105	2,654	2,983	2,386
अन्य देश-आयातक	मी.ट.	1	0	64	235	188
कुल मांग	मी.ट.	2,456	4,111	3,946	4,131	3,304
प्रवृत्ति		100	167	161	135	135
मांग में बाजार हिस्सा						
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	25.00	24.47	31.13	22.11	22.11
संबद्ध देश-आयात	%	74.96	75.53	67.26	72.21	72.21
अन्य देश-निर्यात	%	0.04	0.00	1.61	5.68	5.68

65. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से हुए आयातों और घरेलू उद्योग की बिक्री, दोनों में वर्ष 2010-11 तक भारी वृद्धि हुई है और उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई है । यह भी नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों का बाजार हिस्सा काफी अधिक रहा है और वस्तुतः उसमें पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है । यह भी नोट किया जाता है कि यद्यपि, उत्पाद की मांग में भारी गिरावट आई है, तथापि घरेलू उद्योग के हिस्से में केवल 2010-11 में वृद्धि प्रदर्शित हुई है । तथापि, जांच अवधि के दौरान पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है । इसके अलावा, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा सबसे कम रहा था ।

### ड3.2 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

#### (क) कीमत कटौती

86. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के बारे में नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नानुसार निर्धारित है :

"नियम 18 के उपनियम (2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती की जा रही है या क्या ऐसे आयातों का

प्रभाव अन्यथा कीमतों में अत्यधिक मात्रा में कमी करना है या ऐसी कीमत को रोकना है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती । "

67. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती । इस संबंध में संबद्ध उत्पाद के पहुंच मूल्य और व्यापार के समान स्तर पर सभी रिबेटों और करों को छोड़कर घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के साथ तुलना की गई है । घरेलू उद्योग की कीमत का निर्धारण कारखाना स्तर पर किया गया था । तुलना से यह पता चला कि जांच अवधि के दौरान चीनी संबद्ध देश के मूल की संबद्ध वस्तु का भारतीय बाजार में आयात उस कीमत पर किया गया था जो घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की तुलना में कम थी । अतः यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू कीमत में कटौती हो रही थी और चीन जन.गण. से हुए आयातों के मामले में कटौती मार्जिन काफी अधिक माना जाता है ।

68. कीमत कटौती का मार्जिन नीचे निर्धारित किया गया है ।

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि	जांच अवधि - वार्षिकीकृत
निवल बिक्री कीमत	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	104	92	87	87
आयातों की पहुंच कीमत	रू./किग्रा.	182.96	147.71	148.68	135.24	135.24
प्रवृत्ति		100	81	81	74	74
कीमत कटौती	रू./किग्रा.	(***)	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	(***)	***	***	***	***
कीमत कटौती	रेंज	नकारात्मक	5-15%	2-10%	5-15%	5-15%

69. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत और चीन जन.गण. से हुए आयातों की पहुंच कीमत, दोनों में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है । तथापि, पहुंच मूल्य में गिरावट निवल बिक्री कीमत की तुलना में अधिक रही है । अतः जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में 5-15% की कटौती हुई है ।

#### (ख) कीमत ह्रास और न्यूनीकरण

70. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लागत और कीमत में उतार-चढ़ाव और संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना की गई है ताकि यह जांच की जा सके कि क्या पाटित

आयातों के प्रभाव से कीमत में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि	जांच अवधि - वार्षिकीकृत
आयातों की पहुंच कीमत	रू./किग्रा.	182.96	147.71	148.68	135.24	135.24
प्रवृत्ति		100	81	81	74	74
		***	***	***	***	***
निवल बिक्री कीमत	रू./किग्रा.					
प्रवृत्ति		100	104	92	87	87
		***	***	***	***	***
बिक्री की लागत	रू./किग्रा.					
प्रवृत्ति		100	87	76	95	95

71. उपर्युक्त से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की बिक्री लागत में \*\*\*% की गिरावट की तुलना में क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत में \*\*\*% की गिरावट आई है । इसके अलावा, पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है जबकि बिक्री कीमत में गिरावट आई है । अतः यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण कीमत ह्रास हुआ है । इसके अलावा, चूंकि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत में गिरावट आई है, इसलिए यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की कीमत में क्षति अवधि के दौरान ह्रास हुआ है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की निविष्टि लागत में भारी वृद्धि हुई थी । परिणामतः घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई । दूसरी ओर, मूल कच्ची सामग्री की कीमत में वृद्धि के बावजूद संबद्ध वस्तु के आयात के पहुंच मूल्य में भारी गिरावट आई । परिणामतः घरेलू उद्योग उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप अपनी बिक्री कीमत बढ़ाने में समर्थ नहीं रहा । इसके परिणामस्वरूप जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में अत्यधिक गिरावट आई । इसके अलावा, यह भी नोट किया जाता है कि प्रमुख कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि के बावजूद पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान पहुंच कीमत में गिरावट आई है ।

#### कम कीमत पर बिक्री संबंधी मार्जिन

72. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा की गई कम कीमत पर किसी बिक्री की भी जांच की है । जांचोपरांत यह निर्धारित किया जाता है कि घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री करनी पड़ी है ।

विवरण	इकाई	जांच अवधि
क्षति रहित कीमत रु./किग्रा.		***
पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	***
कम कीमत पर बिक्री	रु./किग्रा.	***
कम कीमत पर बिक्री (%)		25-35

### ड3.3 घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

73. नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के विश्लेषण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर नीचे चर्चा की गई है।

नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के विश्लेषण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

#### (क) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री

74. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा से संबंधित सूचना निम्नानुसार रही है :



विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
क्षमता	मी.ट.	3,600	3,600	3,600	4,500	3,600
उत्पादन	मी.ट.	684	1,327	1,592	1,439	1,151
क्षमता उपयोग	%	19%	37%	44%	32%	32%
घरेलू बिक्री	मी.ट.	614	1,006	1,228	913	730
मांग	मी.ट.	2,456	4,111	3,946	4,131	3,304

75. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में 2010-11 तक वृद्धि हुई और उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि यद्यपि, उत्पाद की मांग में 35% की वृद्धि हुई है, तथापि, घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान अपनी कुल क्षमता के केवल 32% का उपयोग कर सका। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग ने बड़ी मात्रा में बिक्रियां गंवाई हैं।

**(ख) लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय और नकद लाभ**

76. घरेलू उद्योग के लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह की जांच निम्नानुसार की गई है :

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि	जांच अवधि - वार्षिकीकृत
बिक्री की लागत	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	87	76	95	95
बिक्री कीमत	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	104	92	87	87
प्रति इकाई लाभ/हानि	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		(100)	33	35	(153)	(153)
लाभ/हानि	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		(100)	54	69	(182)	(182)
ब्याज पूर्व लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		(100)	183	211	(272)	(272)
ब्याज पूर्व लाभ	रू./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		(100)	112	106	(229)	(229)
नियोजित पूंजी पर आय	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		(100)	155	177	(260)	(260)

नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		(100)	119	146	(222)	(222)
प्रति इकाई नकद लाभ	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		(100)	73	73	(187)	(187)

77. संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री के संबंध में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की जांच की गई है । प्राधिकारी निम्नानुसार नोट करते हैं :-

- (i) वर्ष 2008-09 में घरेलू उद्योग को घाटा हुआ है । संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार हुआ । घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार बिक्री मात्रा में वृद्धि, लागत में कमी और बेहतर मूल्य प्राप्ति के कारण नोट किया गया था । तथापि, जांच अवधि के दौरान लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है । घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट नोट की गई थी क्योंकि घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान उत्पादन लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप अपनी बिक्री प्राप्ति बढ़ाने में समर्थ नहीं रहा था । दूसरी ओर निविष्टि लागत में वृद्धि के बावजूद आयातों के पहुंच मूल्य में गिरावट आई ।
- (ii) यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के नकद लाभ में लाभप्रदता जैसी प्रवृत्ति दिखाई दी है ।
- (iii) लगाई गई पूंजी पर आय का निर्धारण ब्याज पूर्व लाभ और संबद्ध उत्पाद के लिए नियोजित पूंजी पर विचार करते हुए किया गया है । यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान लगाई गई पूंजी पर आय में भारी गिरावट आई है ।

#### (ग) रोजगार और मजदूरी

78. घरेलू उद्योग के रोजगार के स्तर और मजदूरी की स्थिति निम्नानुसार रही है :-

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि	जांच अवधि - वार्षिकीकृत
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	223	291	224	224
रोजगार	सं.	***	***	***	***	***

79. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के पास रोजगार का स्तर लगभग स्थिर रहा है जबकि मजदूरी में 2010-11 तक वृद्धि हुई और उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई ।

**(घ) उत्पादकता**

80. घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नलिखित तालिका में दी गई है :

उत्पादकता	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
प्रति दिवस	मी.ट.	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	194.36	233.33	168.72	168.72
प्रति कर्मचारी	मी.ट.	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	184.71	221.61	152.98	152.98

81. यह नोट किया जाता है कि उत्पादकता में 2010-11 तक वृद्धि हुई और उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई क्योंकि घरेलू उद्योग का उत्पादन घट गया ।

**(ङ) मालसूची**

82. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की मालसूची के स्तर की जांच की है जिसका उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है :

स्टॉक ( मात्रा )	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
आरंभिक	मी.ट.	4	1	1	3	3
अंतिम	मी.ट.	1	1	36	21	21
औसत	मी.ट.	2	1	19	12	12
सूचीबद्ध		100	50	950	600	600

83. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची में भारी वृद्धि हुई है ।

**(च) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक**

84. संबद्ध देश और अन्य देशों से आयात की कीमत, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा पर विचार करते हुए पाटित आयातों से इतर जिन कारकों से घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत प्रभावित हो सकती है, उनसे यह पता चलता है कि संबद्ध देश से आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है जिससे भारतीय बाजार में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है । आगे यह नोट किया जाता है कि अन्य देशों से संबद्ध वस्तु के अधिकांश आयात काफी उच्च कीमतों पर किए गए हैं । इस उत्पाद का कोई व्यवहार्य स्थानापन्न नहीं है । यह भी नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में अत्यधिक वृद्धि प्रदर्शित हो रही थी और यह घरेलू कीमत को प्रभावित कीमत को प्रभावित करने वाला एक

कारण नहीं हो सकता है। अतः घरेलू कीमत को प्रभावित करने वाले मुख्य कारक सबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का पहुंच मूल्य और कच्ची सामग्री की लागत रहे हैं।

### (छ) पूंजी जुटाने की क्षमता

85. जहां तक निवेशों को बढ़ाने की क्षमता का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग मौजूदा क्षमताओं का उपयोग करने में समर्थ नहीं रहा है। आगे यह नोट किया जाता है कि मौजूदा क्षमता देश में उत्पाद की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

86. याचिकाकर्ता ने यह तर्क दिया है कि वर्तमान कार्य स्थिति, जिसमें उत्पाद लगातार पाटन के कारण सतत रूप से बेहतर निष्पादन नहीं कर रहा है, को देखते हुए किसी नए निवेश की परिकल्पना नहीं की गई है।

### (ज) वृद्धि

87. घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मापदंडों की जांच के बाद प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन और बिक्री जैसे मात्रात्मक मापदंडों और घरेलू उद्योग के कीमत मापदंडों, दोनों में वर्ष 2010-11 तक सुधार प्रदर्शित हुआ है और उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई है।

अतः मात्रात्मक मापदंडों पर घरेलू उद्योग की वृद्धि का प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। कीमत मापदंडों के बारे में भी वृद्धि 2010-11 तक सकारात्मक है और उसके बाद वृद्धि नकारात्मक बन गई है। घरेलू उद्योग ने पूर्ववर्ती वर्ष 2010-11 की तुलना में जांच अवधि के दौरान मात्रा और वित्त दोनों के संबंध में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। इसके अलावा, देश में मौजूदा क्षमताओं के बावजूद घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में नकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है। इस प्रकार घरेलू उद्योग की समग्र वृद्धि प्रतिकूल रही थी।

वृद्धि (वर्ष दर वर्ष)	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
उत्पादन	%	-	93.94	19.98	(7.68)
बिक्री मात्रा	%	-	63.81	22.11	(20.52)
प्रति इकाई लाभ/हानि	%	-	***	***	(***)
निवेश पर आय	%	-	***	***	***
बाजार हिस्सा	%	-	(0.53)	6.66	(9.02)

### (झ) पाटन की मात्रा तथा मार्जिन

88. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से भारत में हो रहे आयात पाटन मार्जिन के न्यूनतम स्तर से अधिक हैं। संबद्ध देश से निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक पाया गया है।

**ड4 कारणात्मक संबंध**

89. पाटनरोधी नियमों के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों से इतर ऐसे किसी ज्ञात कारक की जांच करना अपेक्षित होता है जिससे उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है ताकि इन अन्य कारकों से हुई क्षति का कारण पाटित आयातों को न माना जा सके । इस संबंध में जो कारक संगत हो सकते हैं उनमें अन्य के साथ-साथ शामिल हैं - पाटित कीमत पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमत, मांग में कमी या खपत की पद्धति में परिवर्तन, विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी विकास और निर्यात निष्पादन तथा घरेलू उद्योग की उत्पादकता । प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या पाटनरोधी नियमों में सूचीबद्ध अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है । कारणात्मक संबंध की जांच निम्नानुसार की गई है :

**(क) तीसरे देशों से आयात और अन्य ज्ञात कारक**

90. जांच अवधि के दौरान 92% से अधिक आयात संबद्ध देश से हुए थे । तीसरे देशों से आयात नगण्य रहे थे और इनसे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से इतर देशों से संबद्ध वस्तु के अधिकांश आयात संबद्ध देश से आयात कीमत की तुलना में उच्च कीमत पर हुए थे । इसके अलावा, इन आयातों की मात्रा नगण्य थी ।

**(ख) मांग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन**

91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि को छोड़कर क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में अत्यधिक वृद्धि प्रदर्शित हुई है । प्राधिकारी द्वारा आंकड़ों के आगे और विश्लेषण से यह पता चलता है कि पाटित आयातों की मात्रा में गिरावट घरेलू उद्योग की बिक्री में आई गिरावट से कम रही थी । अतः घरेलू उद्योग को मुख्यतः पाटित आयातों के कारण क्षति हुई है न कि मांग में किसी परिवर्तन के कारण । उपलब्ध सूचना से खपत की पद्धति में कोई परिवर्तन नोट नहीं किया गया था ।

**(ग) विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा**

92. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु का ऐसा एकमात्र बाजार है जहां संबद्ध देश से पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त संबद्ध वस्तु से सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं । यह नोट किया जाता है कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु समान वस्तुएं हैं और इनका प्रयोग समान अनुप्रयोगों/अंतिम प्रयोगों में किया जाता है । विदेशी उत्पादकों और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहारों और उनके बीच प्रतिस्पर्धा का ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो ।

**(घ) प्रौद्योगिकी विकास**

93. प्रौद्योगिकी विकास का कोई आरोप नहीं है और न ही अब तक की जांच से यह पता चला है कि घरेलू उद्योग को संभावित क्षति प्रौद्योगिकी विकास के कारण हो सकती है ।

**(ङ) निर्यात निष्पादन**

94. याचिकाकर्ता भारी मात्रा में निर्यात करता है । तथापि, प्राधिकारी ने केवल घरेलू प्रचालनों और घरेलू लाभप्रदता पर विचार किया है ।

**(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता**

95. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है । उत्पादकता में संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को हुई पुष्टिकृत क्षति का कारण नहीं हो सकती है ।

**ड4.1 कारणात्मक संबंध की पुष्टि करने वाले मापदंड**

96. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हालांकि सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारकों से यह पता नहीं चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति इन कारकों से हुई है । तथापि, निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है ।

(क) जांच अवधि के दौरान आयातों में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई और संबद्ध आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई ।

(ख) आयातों के कारण घरेलू बाजार में कीमत में भारी कटौती हो रही थी । इसके परिणामस्वरूप पूर्ववर्ती वर्ष 2010-11 की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में गिरावट मांग में आई गिरावट की तुलना में काफी अधिक रही थी और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में गिरावट की तुलना में काफी अधिक दर्ज की गई थी ।

(ग) संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत का ह्रास हो रहा है । चूंकि घरेलू उद्योग ने पहुंच कीमत के आस-पास अपनी बिक्री कीमत लाने का प्रयास किया है, तथापि कीमत में गिरावट आई है जबकि उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है । यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को महसूस किया जा रहा कीमत ह्रास संबद्ध देश से पाटित आयातों की कम कीमत के कारण हुआ है और जांच अवधि में इस कीमत ह्रास में वृद्धि हुई है ।

(घ) अतः यह नोट किया जाता है कि बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण लागत में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग जांच अवधि में कीमत में कमी करने के लिए बाध्य हुआ है जिसके परिणामस्वरूप लाभ और निवेश पर आय में गिरावट आई है ।

(ड) आयातों की पहुंच कीमत के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती और कम कीमत पर बिक्री हो रही थी । कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री और संबद्ध देश से आयातों की अत्यधिक मात्रा के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा और उसकी समग्र लाभप्रदता में गिरावट आई है ।

(च) घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा और बाजार हिस्से में गिरावट के परिणामस्वरूप जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में गिरावट आई है । परिणामतः घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में भी गिरावट आई है ।

97. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत निर्धारित की है । घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों के संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है ताकि क्षति मार्जिन का निर्धारण किया जा सके । क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है ।

उत्पादक	निर्यातक	एनआईपी	एल पी	आई एम	आई एम%
जियानशु तियानजियायी कैमिकल कंपनी लि.	चांगशान हेचियोंग कैमिकल कं. लि.	***	***	***	15-25
झेजियांग अमीनो-कैम कं. लि.	झेजियांग अमीनो-कैम कं. लि.	***	***	***	15-25
चीन जन.गण. से अन्य कोई उत्पादक	चीन जन.गण. से अन्य कोई उत्पादक	***	***	***	25-35

98. यथा निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का स्तर काफी अधिक माना गया है ।

#### **ड5 क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में निष्कर्ष**

99. संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है । संबद्ध वस्तु के कुल आयातों में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा अत्यंत उच्च बना रहा है । यह भी नोट किया जाता है कि पाटित आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही थी । यह भी निर्धारित किया जाता है कि पाटित आयातों के कारण कीमत ह्रास और कम कीमत पर बिक्री के संबंध में अत्यधिक प्रतिकूल कीमत प्रभाव पड़ा है । इसके अलावा, संबद्ध देश के प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों के पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है जिसे काफी अधिक माना गया है ।

100. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा, यह भी नोट किया जाता है कि पाटित आयातों का कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण के रूप में अत्यधिक प्रतिकूल कीमत प्रभाव पड़ा है जिससे लाभ और निवेश पर आय में भारी गिरावट आई है। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और ऐसी क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कीमत और मात्रात्मक प्रभाव की वजह से अधिक हुई है। अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

#### च. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

101. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः "पाटन" की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई "क्षति" को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; अतः उपभोक्ताओं के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

102. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी खासकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाएगा। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी।

#### छ. सिफारिशें

103. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने तथा रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी अनंतिम रूप से निष्कर्ष निकालते हैं कि :

(क) संबद्ध देश से भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।

(ख) संबद्ध देश से संबद्ध आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(ग) उक्त वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।



104. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी । निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था । पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच शुरु और संपन्न करने के बाद तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की सकारात्मक पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है । प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पादों के आयातों के पहुंच मूल्य की गणना जांच अवधि के लिए निर्यात निर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित घरेलू समान उत्पाद की क्षति रहित कीमत के साथ की गई है ।

105. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । तदनुसार चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कालम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है ।

#### शुल्क तालिका

कॉलम सं.	1	2	3	4	5	6	7	8	9
क्र.सं.	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तु का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	इकाई	मुद्रा
1	29215120	मेटाफेनाइलीन डायामाइन (एमपीडीए)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	जियानशु तियानजियायी केमिकल कंपनी लि.	चांगशान हेचियांग केमिकल कं. लि.	0.57	किग्रा	अम.डा.
2	29215120	मेटाफेनाइलीन डायामाइन (एमपीडीए)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपर्युक्त उत्पादक तथा निर्यातक की क्रम सं. 1 में किए गए उल्लेख से इतर कोई संयोजन		0.78	किग्रा	अम.डा.
3	29215120	मेटाफेनाइलीन डायामाइन (एमपीडीए)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	झेजियांग अमीनो-कैम कं. लि.	झेजियांग अमीनो-कैम कं. लि.	0.61	किग्रा	अम.डा.

4	29215120	मेटाफेनाइलीन डायामाइन (एमपीडीए)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपर्युक्त उत्पादक तथा निर्यातक की क्रम सं. 3 में किए गए उल्लेख से इतर कोई संयोजन	0.78	किग्रा	अम.डा.
5	29215120	मेटाफेनाइलीन डायामाइन (एमपीडीए)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से इतर अन्य कोई	कोई	कोई	0.78	किग्रा अम.डा.
6	29215120	मेटाफेनाइलीन डायामाइन (एमपीडीए)	चीन जन.गण. से इतर अन्य कोई	चीन जन.गण.	कोई	कोई	0.78	किग्रा अम.डा.

106. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3, 8 ख, 9 और 9 क के अंतर्गत शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

#### ज. आगे की प्रक्रिया

107. प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :

- (क) प्राधिकारी इन जांच परिणामों पर सभी हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे जिन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा।
- (ख) निर्यातकों, आयातकों, आवेदक तथा ज्ञात समझे जाने वाले अन्य हितबद्ध पक्षकार सरकारी राजपत्र में प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है।
- (ग) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए प्राधिकारी एक सुनवाई करेंगे।
- (घ) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 1st January, 2013

**Preliminary Findings**

**Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Meta Phenylene Diamine (MPDA) originating in or exported from China PR.**

**No. 14/4/2012-DGAD.**—Having regard to Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

**A. PROCEDURE**

1. The procedure described below has been followed:

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the above Rules, received a written application M/s Aarti Industries Ltd., Mumbai (hereinafter referred to as the applicant) on behalf of the domestic industry, alleging dumping of **Meta Phenylene Diamine (MPDA)** originating in or exported from People's Republic of China PR (hereinafter referred to as China PR or subject country).
- (ii) Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicant. The application was, therefore, considered as properly documented.
- (iii) The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the Applicant to justify initiation of the investigation, decided to initiate the investigation against imports of the subject goods from the subject country.
- (iv) The Authority notified the embassy of the subject country in India about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the AD Rules.
- (v) The Authority issued a public notice dated 19<sup>th</sup> June 2012 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.

- (vi) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the Applicant) and industry associations and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.
- (vii) The Authority also forwarded a copy of the public notice to all the known importers of the subject goods in India and advised them to make their views in writing within forty days from the date of the letter.
- (viii) The Authority provided a copy of the non-confidential version of application to the known exporters and the embassy of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the Application was also provided to other interested parties, wherever requested.
- (ix) The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject country in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

Shanghai Amino-Chem Co. Ltd. 31/F King Tower, No. 28 Xinjinqiao Road, Pudong, Shanghai, 201206 P.R.C
Jaingsu Tianjiayi Chemical Co., Limited Nijiaxiang, Zhouzhuang, Jiangyin, Jiangsu, China 214423

- (x) In response to the initiation notification, the following exporters / producers from China PR have responded:

S.N.	Name of Exporter/ Producer	Exporter/ Producer
1	Zhejiang Amino Chem Co. Ltd.	Producer & Exporter
2	Changshan Haichang Chemical Co. Ltd.	Exporter
3	Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd.	Producer

- (xi) Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

Aaishwariya Chemicals Pvt. Ltd. 263/2, Phase-2, GIDC, Vatva, Ahmedabad-382445
Ankur Chemicals G 1 - 198, Gudli Industrial Area, Udaipur.
Aries Organics Pvt.Ltd. Plot No.441, Phase-II, G.I.D.C. Vatva, Ahmedabad-382445
Chemworld Inc 409, Haash Business Centre, Near Ankur School, Fateh Nagar, Paldi, Ahmedabad
Hexone Interchem Pvt. Ltd.

Opp. Katwad Patiya, N.H. No.8, Dalpur, Tal-Prantij, Dist-Sabarkantha, 393002,Gujarat
Indo Colchem Ltd. Plot No.36,Phase-II, GIDC, Vatva, Ahmedabad-382445, Gujarat
Krishna Industries L/30/46/1&2,Phase-III,GIDC, Naroda, Ahmedabad-382330,Gujarat
Macsen Laboratories Ambamata Ki Ghati, Village Titerdi, Tehsil Girva, Udaipur , 313001
Novacid Pvt.Ltd. 263/A-B, G.I.D.C., Pandesara, Surat, Gujarat
Prashant Industries Plot No:3408/D, Phase-IV, G.I.D.C. Estate, Vatva, Ahmedabad-382445, Gujarat
Shree Pushkar Petro Products Ltd. B-103 MIDC Lote Parshuram, Taluka Khed, Dist Ratnagiri
Solar Dyes Industries Plot No.8103,GIDC Estate, Sachin, Surat,394230,Gujarat
Hindprakash International A-414,Atma House, Opp. Old RBI, Ahmedabad
Yash Chemex Inc Plot No : 457,Phase-II, G.I.D.C Estate ,Vatva, Ahmedabad-382445
Anil Colours Industries Pvt. Ltd. Plot No.125/1,GIDC Estate, Nandesari, Gujarat
Aries Dye Chem Industries C-1/260,Phase II,GIDC, Vatva, Ahmedabad-382445, Gujarat
Bodal Chemicals Ltd Unit I Plot No.110, Phase-II, G.I.D.C.Estate, Vatva, Ahmedabad, Gujarat
Chhatariya Dye Stuff P.Ltd Near G.I.D.C.Estate, Mahuva, Bhavanagar-364290, Gujarat
Hexone Interchem Pvt. Ltd. Palak,Sahjanand Park, Jeevan Dhara Society, Gayatri Mandir Road, Mahavirnagar, Himmat Nagar – 383001
Jainik Industries 605-A,Phase-IV,Gidc,Vatva, Ahmedabad-382445, Gujarat
Loxim Industries Limited. Plot No. 105/109-A,ECPL Road, Village- Ekalbara, Padra Dist., Vadodara,391440
Monica Industries C/1,421,422,Phase-II, Near Vinzol Crossing, G.I.D.C., Vatva, Ahmedabad-382445
Orjet Intermediates Pvt. Ltd. C-1/B-13,Phase-II, G.I.D.C., Vatva, Ahmedabad-382445, Gujarat
Rohan Dyes & Intermediates Ltd. Plot No.115-117,123, Phase-I, G.I.D.C., Vatva, Ahmedabad-382445.
Shreeji Organics Plot No.3421,Phase-IV, G.I.D.C., Vatva, Ahmedabad-382445, Gujarat
Synthopharma Chemicals C-1-220-221/3, Phase - II,G.I.D.C, Naroda, Ahmedabad-382330, Gujarat
Chemex Chemical 107,Udyog Kshetra, Link Road, Mulund (W),400080, Mumbai

(xii) In response to the initiation notification, the following importers have commented

1. The Dyestuffs Manufacturers' Association of India
2. M/s. Ravi Dyeware Co. Ltd. (Importer)
3. M/s Lonsen Kiri Chemical industries Ltd.

(xiii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. During the investigation proceedings, the interested parties mentioned above as well as the domestic industry submitted information pertinent to the investigations and submissions made by all interested parties have been taken into account in present findings.

(xiv) Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.

(xv) Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary.

(xvi) The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry;

(xvii) Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> October 2010 to 31<sup>st</sup> December 2011(POI). The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from 2008-09, 2009-10, 2010-11 and POI.

(xviii) Exchange rate for conversion of US\$ to Rs. is considered for the POI as Rs.46.58 as per customs data.

## **B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

2. The product under consideration in the present investigation is 'Meta Phenylene Diamine' (MPDA). Commercially, it is also called MPD or MPDA. Under normal (room) conditions, it is a colourless or white colour solid, which tends to turn red, purple (dark colour) in air, on storage. Meta Phenylene Diamine has two amino groups attached to a Benzene ring, at Meta position, with respect to each other. It is an isomer of o- Phenylene Diamine (Ortho

Phenylene Diamine) and *p*- Phenylene Diamine (Para Phenylene Diamine). There are no known grades of the product under consideration. Meta Phenylene Diamine functions as a chemical intermediate. MPDA as a chemical intermediate is used for manufacturing dyes, engineering polymer, aramid fiber and in photography & medical applications.

3. 'Meta Phenylene Diamine' is classified under Chapter 29 at subheading no. 29215120 in the Customs Tariff Act. However, Customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

#### **B.1 Views of Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties**

4. The following are the views of Zhejiang Amino Chem:
  - a) There are four types of MPDA produced by the company – grey molten (99.5%), grey flake (99.9%), white molten (99.9%) and white flake (99.9%).
  - b) The company has exported grey molten and white flake to India in the investigation period.

#### **B.2 Views of the Domestic Industry**

5. The following are the views of the domestic industry:
  - a) The product under consideration in the present petition is 'Meta Phenylene Diamine', also referred to as MPDA in this petition. Other names of the product under consideration are *m*- Phenylene Diamine, 1,3- diaminobenzene, 1, 3- Benzenediamine, *m*- Aminoaniline, *m*- Benzenediamine, *m*- Diaminobenzene, 1,3- Phenylenediamine, 3- Aminoaniline, *m*- Fenylenediamin, Phenylenediamine, *m*, *m*- Aminoaline and Phenylenediamine, meta. Commercially, it is also called MPD or MPDA.
  - b) Under normal (room) conditions, it is a colourless or white colour solid, which tends to turn red, purple (dark colour) in air, on storage.
  - c) Meta Phenylene Diamine has two amino groups attached to a Benzene ring, at Meta positions, with respect to each other. It is an isomer of *o*- Phenylene Diamine (Ortho Phenylene Diamine) and *p*- Phenylene Diamine (Para Phenylene Diamine).
  - d) There are no known grades of the product under consideration.

**B.3 Examination by the Authority**

6. The Authority has noted the arguments advanced by various interested parties. It is noted that the difference in the physical form of the product does not mean that the product is of different grades. While claiming that the product under consideration is produced in different forms, the responding exporter has not provided any information to establish that these different grades differ significantly in terms of their associated costs and prices. Nor the responding exporter has provided any verifiable evidence nor sought exclusion of any particular product type. Thus, all types of the product under consideration are within the scope of present investigations.
7. Accordingly, the product under consideration is defined as *Meta Phenylene Diamine* (MPDA).
8. The subject goods fall under Tariff Item '29215120' of the Customs Tariff. However, Customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation and proposed measures.

**B.4 Like Article**

9. Rule 2(d) of the AD Rules defines like article as follows:

*"an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has the characteristics closely resembling those of the articles under investigation."*

10. The applicant has claimed that the subject goods produced by the domestic industry are identical to the product under consideration being imported into India. The applicant claimed that there is no known difference in applicant's product and product under consideration exported from the subject country and the two are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. There is no significant difference in the subject goods produced by the applicant and those exported from the subject country and both are technically and commercially substitutable. None of the responding interested parties have disputed the claim of the applicant in this regard.
11. The Authority has examined the matter and notes that there is no known difference in subject goods produced by the domestic industry and exported from subject country. The subject goods produced by the domestic industry and that imported from subject country are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. None of the



opposing interested parties has raised any objection in this regard. In view of the same, the subject goods produced by the petitioner company are being treated as domestic like article to the product under consideration imported from the subject country in accordance with the anti dumping Rules.

### **C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING**

12. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

*“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”*

13. The application was filed by M/s Aarti Industries Ltd, Mumbai (referred to as the applicant) as the domestic industry of the subject goods in India. The applicant is the only producer of MPDA in the Country and, therefore, the production of the applicant accounts for 100% of domestic production of like article in India. None of the interested parties have raised any objection with regard to standing and domestic industry status of the applicant. In view of the above and after due examination, it is held that the applicant satisfies the requirements of standing and domestic industry in terms of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules respectively.

### **D. DUMPING MARGIN**

#### **D.1 Normal value in China PR**

##### **D.1.1 MET Examination and normal value for all producers and exporters from China PR**

14. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China PR is to be treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules for the purposes of preliminary determination.

15. As per Paragraph 8 of the Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR by providing information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labor, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
  - b) The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
  - c) Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
  - d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate.
16. The Authority notes that responding producers/exporters of the subject goods from China PR have submitted their questionnaire responses and responses to the market economy questionnaire consequent upon the initiation notice issued by the Authority and have sought to rebut the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporters have been examined for determination of normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the subject country as follows.

#### **D.1.2 Responding producers/Exporters seeking MET**

17. The following claims have been submitted by Zhejiang Amino Chem Co. Ltd., Changshan Haichang Chemical Co. Ltd. and Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. in respect of grant of market economy treatment. All these producers and exporters of subject goods have sought MET treatment.

##### **D.1.2.1 Zhejiang Amino-Chem Co. Ltd.**

##### **Submissions made by the company on the issue of MET and Dumping Margin**

18. M/s Zhejiang Amino has claimed that it is \*\*\*\*% owned by Zhejiang Longsheng Group Co., Ltd and \*\*\*\*% owned by Metrogem Holdings Limited. In its submission, the company claims that it is a foreign (co-operative or equity) joint venture of Zhejiang Longsheng Group Co., Ltd. which is a publicly listed company on Shanghai Stock Exchange and Metrogem Holdings Limited is an investment company registered in Hong Kong. It has also been submitted that M/s Shanghai Amino Chem Co Ltd (affiliated company) is a trading company and has not exported the subject goods during the POI.

19. It has been submitted that Zhejiang Hongsheng Chemical Co., Ltd. is an affiliated company which also produces MPDA and Shanghai Amino-chem Co., Ltd. is an affiliated company which also trades in the subject merchandise. It is also submitted that another affiliated company Hangzhou Longshan Chemical Co., Ltd. is also a raw material supplier of Zhejiang Amino. It has also been submitted that it is not formed by locals and is not owned by the state partly or fully or by local/regional authorities. Further, it has been submitted that it is not the one in transformation from States or local bodies to privatization. The producer/exporter has submitted that raw materials and utilities, although procured from both affiliated and non-affiliated suppliers, are at normal rates and not on special or subsidized rate.. It has also been claimed that that Chamber of Commerce is not at all involved in the setting of export prices or quantities of the subject merchandise. Further, they have submitted that the bankruptcy and property laws of the country are equally applicable on the company. Further, no local/regional authority or state is involved in setting prices/ quantities for sale and there is no restriction on export, production or sale and that the company has been never involved in barter trade. It is also noted that Zhejiang Amino sells the subject goods in the domestic market directly to its customers.

#### **D.1.2.2 Changshan Haicheng Chemical Co., Ltd., China PR (exporter)**

##### **Submissions made by the Exporter on the issue of MET and Dumping Margin**

20. Haicheng Chemical has claimed that it is \*\*\*% owned by Mr. \*\*\* and \*\*\*% owned by Mr. \*\*\*. In its submission, the company claims that it is a fully Chinese limited liability company.

21. It has been submitted by Haicheng Chemical that it is only an exporter of the merchandised goods and has no role in its production. It also has been submitted that there is no other affiliated company dealing in production, sale or distribution of subject goods. It is noted from the response that M/s Haicheng purchased the product concerned in domestic market from two suppliers and then export to the world market including India. One is Shanghai Amino-Chem™ Co., Ltd. (hereinafter referred to as Amino). The other is Jiangsu Tianjiayi Chemical Co., Ltd.(hereinafter referred to as Tianjiayi). The present response has been filed as a combination of Tianjiayi as producer and Haicheng as exporter.

22. It has also been submitted that while it is formed by two private Chinese citizens, it is not owned by the state partly or fully or by local/regional authorities. Further, it has been submitted that it is not the one in transformation from States or local bodies to privatization. The exporter has submitted that since it is not a producer, it does not procure raw materials. It is also submitted that that Chamber of Commerce is not at all involved in the setting of export prices or quantities of the subject merchandise. Further, they have submitted that the bankruptcy and property laws of the country are equally applicable on the company. Further, no local/regional authority or state is involved in setting prices/ quantities for sale and there is no restriction on export, production or sale and that the company has been never involved in barter trade. It is also noted that Haicheng Chemical sells a very negligible quantity of subject goods in the domestic market.

**D.1.2.3 Jiangsu Tianjiayi Chemical Co., Ltd., China PR (producer).****Submissions made by the Producer on the issue of MET and Dumping Margin**

23. Jiangsu Tianjiayi has claimed that it is \*\*\* % owned by \*\*\* and \*\*\* % owned by \*\*\* . In its submission, the company claims that it is a fully Chinese limited liability company and both shareholders are of Chinese nationality.

24. It has been submitted by Haicheng Chemical that it is only a producer of the merchandised goods and has never exported subject goods to India. It also has been submitted that there is no other affiliated company dealing in production, sale or distribution of subject goods. It has also been submitted that Jiangsu Nijiaxiang Group Co., Ltd. acts as the parent company of the producer.

25. Further it has been submitted that although it is formed by locals it is not owned by the state partly or fully or by local/regional authorities. Further, it has been submitted that it is not the one in transformation from States or local bodies to privatization. The producer has submitted that raw materials and utilities are procured at normal rates and not on special or subsidized rate. However, no evidence has been provided to establish that the prices of inputs substantially reflect market values. It is also submitted that that Chamber of Commerce is not at all involved in the setting of export prices or quantities of the subject merchandise. Further, they have submitted that the bankruptcy and property laws of the country are equally applicable on the company. Further, no local/regional authority or state is involved in setting prices/ quantities for sale and there is no restriction on export, production or sale and that the company has been never involved in barter trade. It is also noted that Jiangsu Tianjiayi sells the subject goods in the domestic market directly to its end-users and trading companies which in turn may or may not export it.

**D.1.3 Views of the Domestic Industry on the issue of MET treatment and dumping**

26. The following are the views of the domestic industry:

- (i) Para 8(2) of Annex I to Antidumping Rules 1995 casts a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as NME country for purposes of an anti-dumping investigation by the Authority themselves or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation, shall be treated as a NME country. The Authority itself, in every investigation conducted by it in the last three years, has treated China PR as a Non-Market Economy country. It is well known that almost every WTO member including USA and the European Union have repeatedly been treating China PR as a NME country.
- (ii) Proviso to Paragraph 8(2) of Annex I to the Antidumping Rules 1995 provides that exporters may rebut the presumption by providing information and evidence that establishes China PR is not a NME country.

- (iii) Paragraph 8(3) of Annex I to AD Rules provides that individual exporters may provide information and evidence to establish that market economy conditions prevail for them. The claim made by the co-operating exporters under this paragraph however should not be accepted for various reasons provided in subsequent paragraphs.
- (iv) At the outset it is pertinent to point out that the responses, besides being inadequate and insufficient in terms of information, also does not meet the set proforma provided by the authority. In blatant disregard of the proforma which specifically requires 'strict adherence' firstly, Appendices A & B have been placed at the end of the response while other appendices too do not meet the set format.
- (v) While there is rarely any information furnished in the non-confidential version in any of the responses, the information provided elsewhere is incomplete and merely acts as a 'reference book' or replica of sample format. Being devoid of relevant information the responses do not provide any opportunity for domestic industry to make objective comments.
- (vi) On the MET status claimed by Zhejiang Amino it is submitted that the same may be rejected and the exporter cannot be given market economy treatment on the following grounds:
  - 1) Former chairman, Mr. Ruan Shuilong, of the holding company Longsheng Group Co., Ltd. is a well known member of the Communist Party of China. This is in the light of the fact that the current chairman Mr. Ruan Weixiang of the holding company is son of Mr. Ruan Shuilong thus, establishing a strong nexus between the State and exporter.
  - 2) Further, one of the affiliate companies, Hangzhou Longhsan Chemical Co. Ltd. used to be a well known state-owned factory and it has only recently seen a turnaround in its shareholding pattern. This company is also one of the major suppliers of raw material to the exporter. Thus, exporter's independence from State actions is highly doubted.
  - 3) China Commodity Net under the auspices of Ministry of Commerce (China) does function as a chamber of commerce in helping decide prices and Shanghai Amino-Chem Co. Ltd. (affiliated company) is one of the members of the network.
  - 4) In the absence of objective evidence claims of raw materials supplies from related companies at a fair market price in ordinary course of business cannot be accepted. It cannot be denied that such procurement may have involved intermediary products like MDNB from these affiliates.
  - 5) In light of the investment policy of the Hangzhou Bay Shangyu Industrial Park which provides for various incentives and concessions for investments and export sales (supported by evidence enclosed herewith) the exporter cannot be given a market economy status. The same applies to the Export Tax rebate of 17% which fact itself has been conceded to by the Exporter in its response.

- 6) Further, one of the affiliates Shanghai Amino-Chem Co., Ltd. is claimed only to be a trader but evidence on the contrary highlight a fact the even Shanghai Amino-Chem has capacity of 25,000 MT/year for MPDA in addition to exporter's own capacity of 55000 MT/year.
- (vii) On the MET status claimed by Jiangsu Tianjiayi and Changshan Haicheng it is submitted that the same may be rejected and the exporter-producer combination cannot be given market economy treatment. In the absence of relevant information relating to members of board of shareholders and directors as also raw material suppliers and other business information the independence of both the producer as well as the exporter is highly dubious. Further, the role played by M/s. Jiangyin Nijiaxiang Chemical Co. Ltd. in raw material procurement by the producer make it ineligible for claiming such a treatment.

#### **D.1.4 Examination and determination of normal value by the Authority**

##### **Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR**

27. In this connection Para 7 of Annexure I of the Rule provides that

*"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments"*

28. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure I of AD rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules for the purposes of present determination.
29. As per Paragraph 8 of the Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating

exporters/producers of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the criteria enumerated therein.

30. The Authority notes that responding producers/exporters of the subject goods from China PR have submitted their questionnaire responses and they have submitted response to the market economy questionnaire consequent upon the initiation notice issued by the Authority and sought to rebut the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporters have been examined for determination of normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the subject country as follows.

**Examination of the MET response of M/s Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. China PR**

31. The Authority notes that M/s Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. China PR is a Chinese Limited Liability Company with two shareholders namely:

- a) M/s Jiangsu Tianjiayi Investment Co. Ltd and
- b) M/s Jiangsu Nijianxiang Group Co. Ltd. China PR

32. M/s Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. China PR is a subsidiary of M/s Jiangsu Nijianxiang Group Co. Ltd. China PR. As per Article of Association submitted by Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd, the company was incorporated on \*\*\*. It has been claimed by the Exporter that Jiangsu Tianjiayi Investment Co. Ltd. has \*\*\* Chinese individual shareholders and Jiangsu Nijianxiang Group Co. Ltd. is owned by \*\*\* Chinese individual shareholders. It is noted that M/s Jiangsu Tianjiayi chemical Co ltd sells the subject goods in the domestic market directly to its end-users and trading companies which in turn may or may not export it. It is also noted that this company is a producer of subject goods and has not exported subject goods to India directly.

33. The Authority notes that the Company has claimed that there is \*\*\* Board of Directors in Tianjiayi. There is a Board of Shareholders consisting of \*\*\* shareholders who are corporate entities. There is one Executive Director who is also the manager of the Company. Though, it has been submitted that it is formed by locals and not owned by the state or funded partly or fully or by local/regional authorities, no evidence has been submitted that it is not the one in transformation from States or local bodies to privatization. Though the producer has submitted that raw materials and utilities are procured at normal rates and not on special or subsidized rate, no evidence has been provided to establish that the prices of inputs substantially reflect market values. Further, no evidence has been provided that land use rights and procurement of machinery has been made as per market rates.

34. Thus, with regards to pricing of raw materials, utilities, land use rights, and machinery it is noted that, it has not been established that the prices of raw materials and utilities reflect the market values. Thus, on the basis of their response, it is not possible to provisionally conclude the fact that their raw materials and utility prices reflect the market values. Hence, pending



examination of the issues including ownership and control, its impact on the cost and prices and business decisions of the company, and verification of the same, the Authority is of the view that this producer- exporter from China PR cannot be granted market economy status for the preliminary determination. In view of the above the Authority has decided not to grant market economy status to the company at this stage. A final view in this matter will be taken by the Authority after verification of information submitted by M/s Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. China PR in the MET Questionnaire response. In the circumstances the Authority proceeds with the provisions of para 7 of Annexure-I to the Rules for determination of Normal Value for M/s Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. China PR.

**MET examination of M/s Zhejiang Amino-Chem Co., Ltd. ("Zhejiang Amino")**

35. M/s Zhejiang Amino-Chem Co., Ltd. ("Zhejiang Amino") has filed Exporter questionnaire response and market economy questionnaire response (MET) in this matter as a producer and exporter of the subject goods. It has been submitted that Zhejiang Amino produces the product concerned, sells them in the domestic market and exports them to other countries including India. M/s Zhejiang Hongsheng Chemical Co., Ltd. ("Zhejiang Hongsheng"), a related company, is a producer of resorcinol, where during the production process the intermediary product, i.e. MPDA is produced and majority of MPDA produced were for its own captive use. However, a very small percentage of finished MPDA were sold to Zhejiang Amino on occasion that Zhejiang Amino could not fulfill its orders in the domestic market and Zhejiang Hongsheng did not export MPDA to India during the POI. Further, it has been submitted that M/s Shanghai Amino-Chem Co., Ltd. is a related company and is involved as a trading company. It has been submitted that M/s Shanghai Amino-Chem Co., Ltd. did not produce the subject merchandise but was involved in the sales of MPDA in domestic market during the POI. However, it has been submitted that M/s Shanghai Amino-Chem Co., Ltd did not export MPDA to India during the POI.

36. It has been submitted that Zhejiang Amino is primarily owned by share holders. However, in the response to the MET Questionnaire, the company has not given any account of the transformation from State/ local bodies to privatization. From the MET questionnaire response, it is noted that the Zhejiang Amino is a part of Group Company however market economy response has filed by the company only on behalf of Zhejiang Amino. With regards to pricing of raw materials and utility they have failed to prove whether the suppliers of raw materials are private person or state or state enterprise. Thus, with regards to pricing of raw materials, utilities, land use rights, and machinery it is noted that, it has not been established that the prices of raw materials and utilities reflect the market values. Thus, on the basis of their response, it is not possible to provisionally conclude the fact that their raw materials and utility prices reflect the market values. Hence, pending examination of the issues including ownership and control, its impact on the cost and prices and business decisions of the company, and verification of the same, the Authority is of the view that this producer- exporter from China PR cannot be granted market economy status for the preliminary determination. In view of the above the Authority has decided not to grant market economy status to the company at this stage. In view of the above the Authority has decided not to grant market economy status to the company at this stage. A final view in this matter will be taken by the Authority after verification of information submitted by M/s Zhejiang Amino-Chem Co., Ltd. China PR in the MET Questionnaire response. In the circumstances the Authority proceeds with the provisions of para 7 of Annexure-



I to the Rules for determination of Normal Value for M/s M/s Zhejiang Amino-Chem Co., Ltd China PR.

37. As stated above, Authority does not consider it appropriate to give market economy treatment to the above producer, who has claimed market economy treatment as per the reasons mentioned above. The Authority has therefore constructed the Normal value for all the producers of subject goods from China PR considering international prices of major raw materials, consumption and conversion cost of domestic industry and a suitable profit margin.

**D.1.5 Determination of Normal Value for all producers and exporters from China PR**

38. Under the circumstances, the Authority is not in a position to apply Para 8 of Annexure 1 to the Rules to the above named Chinese companies and the Authority has to proceed in accordance with Para 7 of Annexure - I to the Rules. According to these Rules, the normal value in China can be determined on any of the following basis:

- a. On the basis of the price in a market economy third country, or
- b. The constructed value in a market economy third country, or
- c. The price from such a third country to other countries, including India.
- d. If the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.

39. The Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required. No information with regard to prices and costs prevalent in these markets have been provided either by the applicant or by the responding exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding Chinese companies have made any claim with regard to an appropriate market economy third country at this stage. Pending further examination of the issues, for the purpose of preliminary determination the Authority proceeds to provisionally construct the normal value based on any other reasonable basis..

40. Therefore, the normal value has been constructed based on cost of input, and conversion cost of domestic industry as verified by the Authority and reasonable profit margin.

**Export Price determination of M/s Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. China PR (producer) exported through Changshan Haicheng Chemical Co. Ltd. (exporter).**

41. The Authority notes that M/s Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. China PR has exported the subject goods through M/s Changshan Haicheng Chemical Co. Ltd. which

has claimed to be an unrelated trader from China. It is also noted from the response that M/s Changshan Haicheng has also sourced the subject goods from another unrelated producer M/s Amino Shanghai. It is noted that Amino Shanghai is not related to Changshan Haicheng and has not participated in the investigation. It is also noted from their response and pending onsite verification that during the period of investigation M/s Changshan Haicheng has sourced \*\*\* Mt of the subject goods from Jiangsu Tianjiayi. Out of total purchases of subject goods from Jiangsu Tianjiayi \*\*\* has been sold by M/s Changshan Haicheng in domestic market in China and \*\*\* Mt were exported to India after the period of investigation. In effect Changshan Haicheng has exported \*\*\* Mt of subject material during the period of investigation.

42. It is noted that in their response, M/s Changshan Haicheng has provided transaction-wise information relating to exports to India in the form and manner prescribed. The Authority notes that the export sales to India are on CIF basis. Adjustments have been claimed by the exporter in respect of overseas freight, overseas insurance, commission, handling, bank charges and credit cost. The total adjustment claimed by the exporter on these heads is allowed at this stage subject to verification for the purpose of Preliminary Findings. Thus, the net export price i.e. export price at ex-factory level, for goods produced by Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd. and exported by Changshan Haicheng Chemical Co. Ltd. China PR, is provisionally determined and is mentioned at the table showing dumping margin.

#### **Determination of Export Price of M/s Zhejiang Amino**

43. It is noted that M/s Zhejiang Amino has reported export of \*\*\* MT of MPDA to India during the POI. The sales to Indian customers are in CIF terms. The exporter has claimed adjustments towards domestic freight, ocean freight, handling charges and marine insurance to India, and credit expenses to arrive at ex-factory export price. However, it is noticed that no adjustment towards the non-refundable VAT has been made though the exporter is required to pay VAT @17% of the invoice value and is entitled for a refund a part of the VAT paid on export. Such adjustments have been made based on the invoice value. Pending further clarification and verification of the claims made, including the VAT adjustments, the Authority has determined the export price of the above exporter as mentioned in the table showing dumping margin.

#### **Export Price determination for Non cooperating producers and exporters from China PR**

44. Export price in respect of product under consideration for other producers and exporters has been determined as per facts available. For the purpose, the Designated Authority has considered questionnaire response filed by the responding exporters and Indian customs data relating to imports of the product under consideration in India. Price adjustments have been allowed on the basis of facts available. The export sales to India

(net of all the adjustments) has been considered as ex-factory export price, which have been compared to the normal values of the product under consideration to determine the dumping margin. After the analysis of the data, the dumping margin is worked out as mentioned in the table.

45. After the analysis of the data, the dumping margin is worked out as mentioned in the table.

Producer	Exporter	NV	EP	DM	DM %
Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd	Changshan Haicheng Chemical Co. Ltd.	***	***	***	25-35
Zhejiang Amino-Chem Co. Ltd	Zhejiang Amino-Chem Co. Ltd	***	***	***	25-35
Any Other producer/exporter from China PR	Any Other producer/exp orter from China PR	***	***	***	35-45

## **E. INJURY**

### **E.2. Submissions made by Domestic Industry**

46. The domestic industry has argued that:

- Imports from the subject country have increased in absolute terms and in relation to production and consumption in India;
- Imports from the subject country are undercutting the prices of domestic industry to a significant extent. The import price is undercutting the domestic price, in spite of low prices already offered by the domestic industry.
- Whereas the cost of production was increasing, the selling prices declined. Further, even when there was some decline in the cost of production (in earlier years), the decline in prices was more than the decline in costs. Overall, the imports are suppressing and depressing the domestic prices.
- Production, sales and capacity utilization of the domestic industry improved till 2010-11 and then declined in the POI. The market share of the domestic industry also declined.

- (e) Performance of the domestic industry with regard to profits, return on investment and cash profits was declining and became negative in POI.
- (f) Wages and productivity have improved.
- (g) Dumping margin as a measure of extent of dumping is quite significant.

**E.3 The following submissions have been made by the exporters / importers and other interested parties with regards to injury parameters to the domestic industry:**

47. At the outset, it is submitted that the non-confidential version of the petition is wholly deficient and inadequate to enable the other parties to render their comments. It seriously hampers our right to provide meaningful rebuttal through adequate and essential submissions to enable the Authority to arrive at fair conclusions.

**Demand and Market Share**

48. It may be noted from the table below that the demand of the product under consideration was increasing till 2009-10. The same has however declined during 2010-11 and in the period of investigation. Therefore, any decline in market share during POI as compared to 2009-10 and 2010-11 should be seen in the light of the decline in the demand.

**Capacity, Production and Capacity Utilization**

49. The production of petitioner during 2008-09 was 684 MT which went up to 1,151 MT during POI. As a result, the capacity utilization which was only 19% during 2008-09 increased to 32% during POI. Further, it may be noted that demand in India of the subject goods has declined during POI as compared to 2009-10 and 2010-11. Therefore, any decline in the production and capacity utilization during POI as compared to 2009-10 and 2010-11 should be seen in the light of the decline in the demand.

50. It is very interesting to note that despite of the negative price undercutting during 2008-09, the petitioner was operating the plant for subject good at 19%. Thus, there is no injury to the domestic industry on account of alleged imports from subject country.

**Sales Volume**

51. It can be observed that the sales volume of the petitioner in the domestic market has increased by 19% over the base year.

52. It is also relevant to point out that despite negative price undercutting during 2008-09, the sales volume of the petitioner in the domestic market was at lowest level whereas it should have been at highest levels. An obvious question would then arise as to what prevented the petitioner from raising its volume during the 2008-09 when the price undercutting was negative. Further, it may be noted that demand in India for the subject good has declined during POI as compared to 2009-10 and 2010-11. Therefore, any decline

in the sales during POI as compared to 2009-10 and 2010-11 should be seen in the light of the decline in the demand. Thus, there is no injury to the domestic industry on account of alleged dumped imports from subject country.

### **Cost of Production**

53: It is submitted that the cost of production of the petitioner is abnormally high as compared to other foreign producers. The capacity utilization of the petitioner was in the range of 19% to 44% during entire injury period. As a result of lower plant utilization, the cost of production of the petitioner was highly inflated by fixed cost. Even though there was negative price undercutting during base year, the petitioner could not improve its capacity utilization. In fact, during that time capacity utilization was at lowest level which is 19%. Therefore, the Authority is requested to kindly look into critically the entire cost structure of the petitioner as explained above and set aside the higher cost of production caused by inefficiencies while conducting injury examination during investigation.

### **Profitability**

54. It is submitted that losses to the petitioner has occurred between 2010-11 and the POI, when volumes of the alleged dumped imports increased by only 545 MTs compared to an increase of 1,264 MTs in 2009-10, when the petitioner was still making profits. Moreover the drop in the demand of subject good on the domestic market should have created deteriorating effects on its profitability. Thus, any injury to the petitioner is because of higher cost as the petitioner was inefficient and the same cannot be attributed to alleged dumped imports from subject country.

### **Price Undercutting**

55. The petitioner managed to increase its sales volume from 614 MTs in 2008-09 to 1,228 MTs in 2010-11 and 730 MTs in the POI. If there was an existence of such price undercutting in real terms as determined by the petitioner, the domestic industry would have been hard put to maintain its sales volume rather show such an increase in sales volume. Thus, there is no correlation between net sales realization vis-à-vis landed price of subject goods.

## **E.3. Examination by the Authority**

56: Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to suppress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

57. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.
58. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
59. The Authority has considered the views of the interested parties and addressed the same appropriately. The specific submissions of interested parties have been dealt with by the Authority at appropriate places in these findings while examining the injury parameters to the domestic industry.
60. The Authority has analyzed injury parameters in accordance with the rules. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted, and such information has been treated confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
61. As regards the capacity utilization of the domestic industry being low, the Authority has considered the best capacity utilization attained by the domestic industry during the injury period and POI in order to eliminate the inefficiencies in operation for the purpose of determination of non-injurious price for the domestic industry. In this regard, it is further noted that the domestic industry has a composite production facility producing a number of chemicals. The domestic industry is also producing captively the major input i.e MDNB which is used for the manufacture of MPDA. There are separate capacities for manufacture of both MDNB and MPDA. The Authority has appropriately considered the optimum usages of capacities, as per consistent practice, in order to eliminate the higher costs on account of inefficient uses. As regards the reduction in the demand for the subject goods, over the injury period, it has been claimed by the domestic industry that there are imports of the subject goods under other classifications as well. For the purpose of the preliminary findings and pending further investigations, the Authority has examined the response and notes that while there was a reduction in the demand for the subject goods, the decline in the

volume of imports from the subject countries was very insignificant as compared to the loss of sales of the domestic industry. Further, during the POI the landed value of imports declined significantly in spite of an increase in the input cost. With regard to the fact that the petition is grossly deficient, it is noted that the application accepted by the Authority for initiation was duly documented. With regard to the construction of the normal value of subject goods, it is noted that constructed normal value of the subject goods have been determined by taking into account the prevailing international price of the benzene. Further, during the process of investigation, it was noted that the procurement price of benzene of domestic industry was noted to be in line with the prevailing international price of benzene.

### **E.3.1 Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry**

#### **Import Volumes and share of subject country**

62. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states as follows:

*"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."*

63. It is noted that the imports from China PR have recorded a significant increase in absolute terms during injury period i.e. from 1,841 in 2008-09 to 2,983 during POI(2,386 annualised). It is also noted that the imports of the subject goods from other subject country have also shown a significant increase over the injury period in absolute terms during the same period. However, the increase is much less than increase from subject countries. Further, imports have increased significantly in absolute terms. Imports from other countries have, at the same time, have increased. However, the volume of these imports is not very significant and most of these imports have been noted to at a price higher than the export price from subject country.

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI-Annualized
Imports -						
China PR	MT	1,841	3,105	2,654	2,983	2,386
Other Countries	MT	1	0	64	235	188
Total Imports	MT	1,842	3,105	2,718	3,217	2,574
Market Share in Imports						
China PR	%	99.94	100.00	97.66	92.70	92.70
Other Countries	%	0.06	0	2.34	7.30	7.30

### a) Assessment of Demand and Market Share

64. The Designated Authority has determined demand as the sum of domestic sales of the domestic industry, sales of other Indian producers and imports of the subject goods in India from all sources. The demand so assessed is shown in the following table. It is seen that demand for the subject goods had grown significantly in 2009-10 and then declined in 2010-11 and the POI. However, it is noted that demand of subject goods had increased in the POI as compared to base year 2008-09. The authority further notes that even though there was some decline in the demand for the subject goods during the POI, the decline in the share of domestic industry was notably higher than the decline in the volume of imports from subject countries

Demand	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI-Annualized
Sales of Domestic Industry	MT	614	1,006	1,228	913	730
Subject countries-Imports	MT	1,841	3,105	2,654	2,983	2,386
Other Countries-Imports	MT	1	0	64	235	188
Total demand	MT	2,456	4,111	3,946	4,131	3,304
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>167</i>	<i>161</i>	<i>135</i>	<i>135</i>
<b>Market Share in Demand</b>						
Sales of Domestic Industry	%	25.00	24.47	31.13	22.11	22.11
Subject countries-Imports	%	74.96	75.53	67.26	72.21	72.21
Other Countries-Imports	%	0.04	0.00	1.61	5.68	5.68

65. It is noted that both, the imports from the subject country and sales of the domestic industry, have increased significantly up to 2010-11 and declined thereafter in POI. It is also noted that the market share of imports of subject goods from the subject country has remained significant during the injury period and has, in fact, increased significantly during the POI from the preceding year. It is also noted that even as the demand for the product has declined significantly, share of domestic industry showed increase in 2010-11 only. However, during the POI, the share of domestic industry declined as against the preceding year. Further the market share of the domestic industry was lowest in the POI, as compared to the base year.

### E.3.2 Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

#### a) Price Undercutting

66. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:



*"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."*

67. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison was made between the landed value of the product concerned and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex factory level. This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in the subject country were imported in the Indian market at prices which were lower than the domestic industry selling prices. It is thus noted that imports of subject goods were undercutting the domestic prices and margin of undercutting is considered significant in case of imports from China PR.

68. The price undercutting margin is determined as below:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI-Annualized
Net Selling Price	Rs./KG	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	104	92	87	87
Landed price of imports	Rs./KG	182.96	147.71	148.68	135.24	135.24
<i>Trend</i>		100	81	81	74	74
Price Undercutting	Rs./KG	(***)	***	***	***	***
Price Undercutting	%	(***)	***	***	***	***
Price Undercutting	Range	Negative	5-15%	2-10%	5-15%	5-15%

69. It is noted from above that both the net selling price of the domestic industry and the landed price of imports from China PR have declined over the injury period. However, the landed price has declined more than the net selling price. Thus, the imports of subject goods from the subject country undercut the prices of the domestic industry by 5-15% during the POI.

#### b) Price Suppression and Depression

70. The cost and price movement of the domestic industry and the landed value of imports from the subject countries have been compared over the injury period to examine whether the

effect of dumped imports is to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree.

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI- Annualized
Landed price of imports	Rs./KG	182.96	147.71	148.68	135.24	135.24
<i>Trend</i>		100	81	81	74	74
Net Selling Price	Rs./KG	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	104	92	87	87
Cost of Sales	Rs./KG	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	87	76	95	95

71. The Authority notes from the above that the selling price of the subject goods produced by the domestic industry has declined by \*\*\*% during the injury period as against \*\*\*% decline in the cost of sales of the subject goods produced by the domestic industry. Further, the cost of production increased significantly during the POI as compared to the previous year while the selling price declined. Thus, it is noted that there is price suppression on account of imports of subject goods from the subject country. Further, as there is decline in the selling price of the subject goods produced by the domestic industry, it is noted that the domestic industry has suffered price depression during the injury period. The Authority notes that during the POI, there was significant increase in the input cost of the subject goods. As a result the cost of production of the domestic industry increased significantly. On the other hand, in spite of increase in the prices of basic raw materials, the landed value of imports of subject goods declined significantly during the same period. As a result the domestic industry was not able to increase its selling prices commensurate with the increase in the cost of production. This resulted in significant erosion of profitability of the domestic industry during the POI.

#### Price underselling margin

72. The Authority has also examined price underselling if any, suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject country. After examination, it is determined that the domestic industry has suffered significant price underselling during the investigation period.

Particulars	Unit	POI
Non Injurious Price Rs/Kg		***
Landed Price	Rs/Kg	***

Price underselling	Rs/Kg	***
Price underselling (%)		25-35

### E.3.3 Economic parameters of the domestic industry

73. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

#### (a) Capacity, Production, Capacity Utilization and sales

74. Information on capacity, production, capacity utilization and sales volumes of the domestic industry has been as under:-

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI-Annualized
Capacity	MT	3,600	3,600	3,600	4,500	3,600
Production	MT	684	1,327	1,592	1,439	1,151
Capacity Utilization	%	19%	37%	44%	32%	32%
Sales Domestic	MT	614	1,006	1,228	913	730
Demand	MT	2,456	4,111	3,946	4,131	3,304

75. It is noted that the production, sales and capacity utilization of domestic industry has increased up to 2010-11 and then declined in POI. Further it is noted that though the demand for the product has increased by 35%; the Domestic Industry could utilize only 32% of its total capacity in the POI. It is also noted that the domestic industry lost significant sales due to dumped imports of subject goods from the subject country.

**(b) Profits, Return on Capital Employed and Cash Profit**

76. The Profits, return on investment and cash flow of the domestic industry has been examined as under:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI- Annualized
Cost of Sales	Rs/KG	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	87	76	95	95
Selling price	Rs/KG	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	104	92	87	87
Profit/loss per Unit	Rs/KG	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		(100)	33	35	(153)	(153)
Profit/loss	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		(100)	54	69	(182)	(182)
Profit before Interest	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		(100)	183	211	(272)	(272)
Profit before Interest	Rs./kg	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		(100)	112	106	(229)	(229)
Return on capital employed	%	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		(100)	155	177	(260)	(260)
Cash Profit	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		(100)	119	146	(222)	(222)
Cash profit per unit	Rs./kg	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		(100)	73	73	(187)	(187)

77. The profitability of the domestic industry in respect of domestic sales of subject goods has been examined. The Authority notes the following:

- (i) The domestic industry has losses in 2008-09. The profitability of the domestic industry for the subject goods improved. The improvement in profitability of domestic industry was noted on account of increase in volume of sales, reduction in cost as well as on account of better sales realization. However, the profitability has significantly deteriorated during POI. The decline in profitability of the domestic industry was noted, as the domestic industry was not able to increase its sales realizations commensurate with the increase in the cost of production during POI. On

the other hand the landed value of imports declined in spite of the increase in the input cost.

(ii) It is noted that the cash profits of the domestic industry have seen a trend similar to the profitability.

(iii) The return on capital employed has been determined considering profit before interest and capital employed for the product concerned. It is noted that return on capital employed has significantly deteriorated in POI.

**(c) Employment and wages:**

78. The Status of employment levels and wages of the domestic industry has been as under:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI-Annualized
Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	223	291	224	224
Employment	Nos.	***	***	***	***	***

79. The Authority notes that employment level with the domestic industry has almost remained stagnant whereas wages increased up to 2010-11 and then declined in the POI.

**(d) Productivity**

80. The productivity of the domestic industry is given in the following table:

Productivity	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI-Annualized
Per day	MT	***	***	***	***	***
Index		100	194.36	233.33	168.72	168.72
Per employee	MT	***	***	***	***	***
Index		100	184.71	221.61	152.98	152.98

81. It is noted that the productivity has increased up to 2010-11 and then declined in the POI as the production of the domestic industry declined.

**(e) Inventories**

82. The Designated Authority has examined the inventory level of the domestic industry, which is given in the following table:-

Stock ( Volume)	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI-Annualized
Opening	MT	4	1	1	3	3
Closing	MT	1	1	36	21	21
Average	MT	2	1	19	12	12
Index		100	50	950	600	600

83. It is noted that the inventory of the domestic industry has increased substantially during the period of investigation.

**(f) Factors Affecting Domestic Prices**

84. Consideration of the import prices from the subject country and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that the landed value of imported material from the subject country is below the selling price of the domestic industry, causing significant price undercutting in the Indian market. It is further noted that most of imports of subject goods from other countries are at much higher prices. There is no viable substitute to this product. It is also noted that demand for the subject goods was showing significant increase during the injury period and this could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, the principal factors affecting the domestic prices is landed value of subject goods from subject country and cost of raw materials.

**(g) Ability to raise capital**

85. With regard to ability to raise investments, it is noted that the domestic industry has not been able to utilize the existing capacities during injury period. It is further noted that the existing capacity is sufficient to meet the demand of the product in the country.
86. The Petitioner has argued that given the current state of affairs where the product is consistently not performing well because of persistent dumping, any fresh investments is not envisaged.

**(h) Growth**

87. On examination of various economic parameters of the domestic industry, the Authority notes that both the volume parameters such as production and sales, and price parameters of the domestic industry show improvement up to 2010-11 and then it shows decline in the POI. Thus, the growth of the domestic industry is adverse on the volume parameters. On the price

parameters also, the growth is positive till 2010-11 and thereafter the growth is negative. The domestic industry has recorded a negative growth both in volume terms and financial terms in the POI as compared to previous year 2010-11. Further, the market share of the domestic industry shows negative growth despite existing capacities in the Country. Thus, overall growth of the domestic industry was adverse.

Growth (year by year)	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI (annualized)
Production	%	-	93.94	19.98	(7.68)
Sales Volume	%	-	63.81	22.11	(20.52)
Profit/Loss per unit	%	-	***	***	(***)
Return on Investment	%	-	***	***	***
Market Share	%	-	(0.53)	6.66	(9.02)

#### (i) Magnitude and Margin of Dumping

88. It is noted that the imports coming into India from the subject country are above the de minimis level of dumping margin. The dumping margin determined from subject country is considered significant.

#### **E.4 Causal Link**

89. As per the AD Rules, the Designated Authority is, inter alia, required to examine any known factors other than dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. The Authority has examined whether other factors listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. The examination of causal link has been done as follows:

##### (a) Imports from third countries and other Known Factors

90. During the POI, more than 92% imports were from the subject country. Imports from third countries were negligible and could not have caused injury to the domestic industry. The Authority notes that most of imports of subject goods from countries other than the subject countries were at a price higher than that from the subject country. Further, these imports were negligible.

##### (b) Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

91. The Authority notes that the demand for the subject goods has shown significant increase during the injury period except during the POI. A further analysis of the data by the

Authority indicates that the decline in the volume of dumped imports was significantly lower than the decline in the sales of the domestic industry. Therefore, the domestic industry suffered injury primary on account of dumped imports than on account of any change in the demand. From the available information, no change in the pattern of consumption was noted.

**(c) Trade Restrictive practices of and competition between foreign and domestic producers**

92. It is noted that there is a single market for the subject goods where dumped imports from the subject country compete directly with the subject goods supplied by the domestic industry. It is noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry.

**(d) Developments in Technology**

93. There is no allegation of developments in technology, nor has the investigation so far shown that possible injury to the domestic industry could have been caused by developments in technology.

**(e) Export performance**

94. The petitioner has significant exports. However, the Authority has considered only domestic operations and domestic profitability.

**(f) Productivity of the Domestic Industry**

95. It is noted that there is no material change in productivity of the domestic industry. Possible decline in productivity cannot be the reason for the established injury to the domestic industry.

**E.4.1 Parameters establishing causal link**

96. The Authority notes that while listed known other factors do not show that injury to the domestic industry has been caused by these factors, following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.

- (a) Market share of the domestic industry declined in POI and that of subject imports increased as a result of increase in imports.
- (b) Imports were causing significant price undercutting in the domestic market. As a consequence, sales volumes of the domestic industry declined far more than the decline in demand in the POI as compared to the previous year 2010-11 and the decline in the



share of domestic industry was notably higher than the decline in the volume of imports from subject countries.

- (c) Dumped imports from the subject country are depressing the prices of the domestic industry. As, the domestic industry has tried to align its selling prices close to the landed prices, there has been a decline in prices whereas the cost of production has increased. It is noted that price depression being felt by the domestic industry is due to lower prices of dumped imports from the subject country and this depression has increased in the POI.
- (d) Thus, it is noted that the domestic industry is forced to decrease prices in the POI in spite of increase in cost, due to presence of dumped imports in the market resulted in decline in profits and return on investment.
- (e) Landed price of imports were undercutting and underselling the prices of the domestic industry. As a result of the price undercutting, price underselling and significant volume of imports from the subject country, the market share and overall profitability of the domestic industry has declined.
- (f) Decline in sales volumes and market share of the domestic industry resulted in decline in production of the domestic industry in the POI. Consequently, capacity utilization of the domestic industry also declined

97. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry taking into consideration cost of production of the domestic industry. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports of the responding producers and exporters to determine injury margin. The injury margins have been worked out as follows:

Producer	Exporter	NIP	LP	IM	IM%
Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd	Changshan Haicheng Chemical Co. Ltd.	***	***	***	15-25
Zhejiang Amino-Chem Co. Ltd	Zhejiang Amino-Chem Co. Ltd	***	***	***	15-25
Any Other producer/exporter from China PR	Any Other producer/exporter from China PR	***	***	***	25-35

98. The level of dumping margins and injury margins as determined are considered significant.

#### **E.5 Conclusion on Injury and causation**

99. There has been a significant increase in the volume of dumped imports from the subject country at the absolute level. The market share of dumped imports in total imports of subject

goods has remained significantly high. It is also noted that the dumped imports were undercutting the prices of the domestic industry in the market. It is also determined that the dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price depression and price underselling. Further, the dumping margins from responding producers and exporters from the subject country have been determined and are considered significant.

100. It is noted that dumped imports of subject goods from the subject country have adversely impacted the production and sales levels of the domestic industry. Further, it is also noted that the dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price depression and price suppression which in turn have led to significant deterioration in profits and return on investments. Therefore, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury and such injury has been caused significantly by price and volume effects of dumped imports from the subject country. The Authority therefore, provisionally holds that material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject country.

#### **F. Indian industry's interest & other issues:**

101. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way; and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
102. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

#### **G. Recommendations**

103. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that:
- (a) The product under consideration has been exported to India from the subject country below normal value.

- (b) The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from the subject country.
- (c) The material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject country.

104. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports of product under consideration has been compared with the non-injurious price of the domestic like product produced by domestic industry determined for the period of investigation.

105. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty equal to the amount indicated in Col 7 of the table below is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from China PR.

Duty table

Col. No.	1	2	3	4	5	6	7	8	9
SN	Heading/ subheading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount of duty	Unit	Currency
1	29215120	'Meta Phenylene Diamine' (MPDA)	China PR	China PR	Jiangsu Tianjiayi Chemical Co. Ltd	Changshan Haicheng Chemical Co. Ltd.	0.57	Kg	US\$
2	29215120	'Meta Phenylene Diamine' (MPDA)	China PR	China PR	Any combination other than mentioned in Sr. no. 1 of above producer and exporter		0.78	Kg	US\$

3	29215120	'Meta Phenylene Diamine' (MPDA)	China PR	China PR	Zhejiang Amino-Chem Co. Ltd Ltd	Zhejiang Amino-Chem Co. Ltd	0.61	Kg	US\$
4	29215120	'Meta Phenylene Diamine' (MPDA)	China PR	China PR	Any combination other than mentioned in Sr. no. 3 of above producer and exporter		0.78	Kg	US\$
5	29215120	'Meta Phenylene Diamine' (MPDA)	China PR	Any other than China PR	Any	Any	0.78	Kg	US\$
6	29215120	'Meta Phenylene Diamine' (MPDA)	Any other than China PR	China PR	Any	Any	0.78	Kg	US\$

106. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

#### **H. Further Procedure**

107. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -

- The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- Exporters, importers, the applicant and other interested parties known to be concerned may make known their views, within forty days from the date of the publication of the Preliminary findings in the official gazette. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- The Authority would hold a hearing to hear the views of various interested parties orally;
- The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;

J. S. DEEPAK. Designated Authority